CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-13
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

हर दिन एक नया अवसर है खुद को बेहतर बनाने का.

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार 19 अप्रैल 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सनातन ज्ञान परंपरा का वैश्विक सम्मान: यूनेस्को ने अभूतपूर्व देरी से ही सही, उचित दिशा में की पहल, श्रीमद्भगवद गीता और भरतमुनि के नाट्यशास्त्र की पांडुलिपियां यूनेस्को मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल

समझी गई भारतीय ग्रंथों की अहमियत

नई दिल्ली। विश्व विरासत दिवस पर भारत की ऐतिहासिक विरासत को वैश्विक मंच पर पहचान मिली है। श्रीमद्भगवद गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र की पांडुलिपियां उन 74 नए दस्तावेजी विरासत संग्रहों का हिस्सा हो गई है हैं जिन्हें यूनेस्को के 'विश्व स्मृति रजिस्टर' यानी 'मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर' में शामिल किया गया है। इस ऐलान के साथ ही भारत की 14 अमूल्य कृतियां अब इस अंतरराष्ट्रीय सूची का हिस्सा बन चुकी हैं। यूनेस्को की महानिदेशक ऑड्रे अजोले ने मानवता की दस्तावेजी विरासत को संरक्षित करने के महत्व को रेखांकित किया है। उन्होंने एक बयान में कहा कि दस्तावेजी विरासत दुनिया की स्मृति का एक आवश्यक लेकिन नाजुक तत्व है। अजोले ने कहा कि यही कारण है कि यूनेस्को सुरक्षा में निवेश करता है, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करता है और इस रजिस्टर को बनाए रखता है जो मानव इतिहास के व्यापकतम धागों को रिकॉर्ड करता है। मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में संग्रहों की कुल संख्या अब 570 है, जो वैश्विक बौद्धिक और सांस्कृतिक स्मृति के विशाल ताने-बाने का प्रतिनिधित्व करती है। यूनेस्को के अनुसार, नव-अंकित संग्रहों में से 14 संग्रह वैज्ञानिक दस्तावेजी विरासत से संबंधित हैं, इसके अतिरिक्त दासता की स्मृति से संबंधित संग्रह और प्रमुख ऐतिहासिक महिलाओं से संबंधित अभिलेख भी हैं। यूनेस्को ने अपने मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में 74 नए दस्तावेजी विरासत संग्रह जोड़े है। इससे कुल अंकित संग्रहों की संख्या 570 हो गई है। इस रजिस्टर में 72 देशों और चार अंतरराष्ट्रीय संगठनों की वैज्ञानिक क्रांति, इतिहास में महिलाओं का योगदान तथा बहुपक्षवाद की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रविष्टियां शामिल की गईं।

कालातीत ज्ञान और समृद्ध संस्कृति की वैश्विक मान्यता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे भारत के लिए गर्व का क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि यह हमारी प्राचीन ज्ञान और संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पहचान है। यूनेस्को का मेमोरी ऑफ वर्ल्ड रजिस्टर दुनिया की महत्वपूर्ण दस्तावेजी धरोहरों को बचाने और उन्हें हमेशा के लिए उपलब्ध कराने की एक कोशिश है। इस लिस्ट में शामिल होने से अतीत के इन धरोहर ग्रंथों को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। भगवद गीता और नाट्यशास्त्र को यूनेस्को की मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किए जाने पर पीएम मोदी ने खुशी जताते हुए एक्स पर लिखा कि भगवद गीता और नाट्यशास्त्र को शामिल करना, हमारे कालातीत ज्ञान और समृद्ध संस्कृति की वैश्विक मान्यता है। यह हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्मग्रंथों ने सदियों से सभ्यता और चेतना को पोषित करने का काम किया है।

भारत की सभ्यतागत विरासत के लिए ऐतिहासिक क्षण केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि भारत की सभ्यतागत विरासत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। शेखावत के अनुसार, गीता और नाट्यशास्त्र को शामिल करने के साथ ही अब यूनेस्को के रजिस्टर में कुल 14 अभिलेख हो गए हैं। श्रीमद्भगवद्गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को अब यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में अंकित किया गया है। यह वैश्विक सम्मान भारत के शाश्वत ज्ञान और कलात्मक प्रतिभा का जश्न मनाता है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि ये कालातीत रचनाएं साहित्यिक खजाने से कहीं अधिक हैं- वे दार्शनिक और सौंदर्यवादी आधार हैं, जिन्होंने भारत के विश्व दृष्टिकोण और हमारे सोचने, महसूस करने, जीने और अभिव्यक्त करने के तरीके को आकार दिया है।

मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर क्या है? यह जानना दिलचस्प है कि यूनेस्को का मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर क्या है? यह एक ऐसा कार्यक्रम है जो दुनिया की दस्तावेजी विरासत को बचाने और उसके संरक्षण के लिए बनाया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यह विरासत हमेशा के लिए उपलब्ध रहे। इसे 1992 में शुरू किया गया था। इसका मकसद ऐतिहासिक लिखित धरोहरों को विस्मृति से बचाना और दुनिया भर में मूल्यवान अभिलेखीय होल्डिंग्स और पुस्तकालय संग्रहों को संरक्षित करना है।

मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड की निगरानी यूनेस्को की वेबसाइट पर बताया गया है कि दुनिया की दस्तावेजी विरासत सभी की है, इसे पूरी तरह से संरक्षित और सभी के लिए सुरक्षित रखा जाना चाहिए। सांस्कृतिक मूल्यों और व्यवहारिकताओं को ध्यान में रखते हुए, यह बिना किसी बाधा के सभी के लिए हमेशा उपलब्ध होनी चाहिए। इस कार्यक्रम की योजना और इसकी देखरेख एक अंतरराष्ट्रीय सलाहकार समिति (आईएसी) करती है। आईएसी में 14 सदस्य होते हैं। इनकी नियुक्तियूनेस्को के महानिदेशक करते हैं।

क्यों खास है श्रीमद्भगवद गीता? प्रश्न उठता है कि भगवद् गीता और नाट्यशास्त्र को इसके लिए क्यों चुना गया? भगवद् गीता के 18 अध्यायों में 700 श्लोक हैं। श्रीमद्भगवद गीता, महाभारत का एक भाग है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन के बीच हुआ संवाद न केवल युद्धभूमि का नैतिक निर्णय प्रस्तुत करता है, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में आत्मबोध और कर्तव्य का गहन मार्गदर्शन करता है। अब यह ग्रंथ विश्वभर में आध्यात्मिकता और दर्शन का प्रतीक बन चुका है। यह महाभारत काल का एक अनुपम हिंदू धर्मग्रंथ है। यह वैदिक, बौद्ध, जैन और चार्वाक जैसे प्राचीन भारतीय धार्मिक विचारों का मिश्रण है। यह कर्तव्य, ज्ञान और भक्ति के महत्त्व पर आधारित है। भगवद् गीता को सदियों से पूरी दुनिया में पढ़ा गया है और कई भाषाओं में अनुवाद किया जा चुका है। यूं कह लें कि यूनेस्को ने अभूतपूर्व देरी से ही सही, एक बहुत ही उचित दिशा में पहल की है।

क्यों खास है भरत मुनि का नाट्यशास्त्र दूसरी ओर, भरत मुनि का नाट्यशास्त्र प्रदर्शन कलाओं का वर्णन करने वाले संस्कृत काव्य छंदों का संग्रह है। इसमें नाट्य (नाटक), अभिनय, रस (सौंदर्य अनुभव), भाव (भावना), संगीत आदि को परिभाषित करने वाले नियमों का एक व्यापक दृष्टिकोण हैं। यह कलाओं पर एक प्राचीन विश्वकोश ग्रंथ है। यह भारतीय रंगमंच, काव्यशास्त्र, सौंदर्यशास्त्र, नृत्य और संगीत को प्रेरित करता है। ये दोनों ग्रंथ लंबे समय से भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत के मूल आधार रहे हैं।

देश की ये रचनाएं भी मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में हैं शामिल

भारत की ओर से इससे पहले ऋग्वेद, तवांग धर्मग्रंथ, संत तुकाराम की अभंग रचनाएं से जुड़ी फाइलें भी इस सूची में शामिल हो चुकी हैं। साथ ही ऋग्वेद, जो कि दुनिया का सबसे प्राचीन धार्मिक ग्रंथ माना जाता है, पहले से ही यूनेस्को की मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल है। इसे 2007 में इस अंतरराष्ट्रीय सूची में जगह मिली थी, उस समय यूनेस्को ने इसे मान्यता देते हुए कहा था कि ऋग्वेद न केवल धार्मिक या आध्यात्मिक ग्रंथ है, बल्कि यह मानव सभ्यता की शुरूआती सोच, भाषा, दर्शन और सांस्कृतिक संरचना का अमूल्य दस्तावेज भी है।

'सुपर संसद' वाले बयान पर सिब्बल ने धनखड़ को दिया जवाब

कार्यपालिका काम नहीं करेगी तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना ही पड़ेगा

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के उस बयान का जवाब दिया है, जिसमें उन्होंने इशारा किया था कि सुप्रीम कोर्ट को 'सुपर संसद' के रूप में काम नहीं करना चाहिए। कपिल सिब्बल ने कहा कि किसी भी राज्यपाल द्वारा बिल को लटकाना विधायिका के अधिकार में हस्तक्षेप की तरह है। उन्होंने कहा कि अगर एक मंत्री गवर्नर के पास जाते हैं और वहां पर दो साल तक बने रहते हैं, वे लगातार जनता के मुद्दे को उठा रहे हैं, तो क्या गवर्नर इसकी अनदेखी कर सकते हैं ? उन्होंने कहा कि इसलिए यह कहना कि किसी की शक्ति में कटौती हो रही है, मेरी राय में सही नहीं है। सिब्बल ने कहा कि अगर संसद किसी बिल को पारित कर देती है और राष्ट्रपति उसे अपने पास रखे रहें, तो क्या होगा। उन्होंने कहा कि यह तो विधायिका की सुप्रीमेसी पर चोट है। उन्होंने कहा कि जब कार्यपालिका काम नहीं करेगी तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना ही पड़ेगा।

सिब्बल ने कहा कि भारत में राष्ट्रपति नाममात्र का मुखिया है। राष्ट्रपति-राज्यपाल को सरकारों की सलाह पर काम करना होता है। मैं उपराष्ट्रपति की बात सुनकर हैरान हूं, दुखी भी हूं। उन्हें किसी पार्टी की तरफदारी करने वाली बात नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि कोर्ट को सुपर संसद के रूप में काम नहीं करना चाहिए, क्योंकि कानून बनाना संसद का काम है। उन्होंने पूछा कि कोई भी कोर्ट राष्ट्रपति को कैसे आदेश दे सकती है, आखिर हमारा देश कहां जा रहा है, हमें बहुत ही संवेदनशील होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि संविधान ने कानून की व्याख्या करने का अधिकार कोर्ट को दिया है, लेकिन उसके लिए पांच जजों को बैठकर निर्णय करना होता है। धनखड़ ने संविधान के अनुच्छेद 142 का भी जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि अनुच्छेद 142 लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ परमाणु मिसाइल है, जिसका इस्तेमाल न्यायपालिका चौबीसों घंटे कर सकती है। अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को अपने समक्ष किसी भी मामले में 'पूर्ण न्याय' सुनिश्चित करने हेतु आदेश जारी करने की शक्ति देता है।

आय से अधिक संपत्ति के मामले में हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी

भ्रष्टाचार में फंसे कर्मचारियों की पत्नियों पर केस करना फैशन बन गया है

भुवनेश्वर। ओडिशा हाईकोर्ट ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में फंसे एक सरकारी कर्मचारी की पत्नी के खिलाफ शुरू की गई आपराधिक कार्यवाही को रद्द करते हुए बड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा है कि आजकल बिना सबूत के आरोपी की पत्नी को केस में फंसा देना फैशन बन गया है। हाई कोर्ट ने कहा कि आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामलों में पति-पत्नी को जानबूझकर फंसाना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

2004 में आय से अधिक संपत्ति के एक मामले में आरोपी बनाए गए मोटर वाहन निरीक्षक की पत्नी द्वारा दायर मामले पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि अकसर सतर्कता विभाग संपत्ति हासिल करने के लिए पति-पत्नी या आश्रितों को स्वतः जोड़ देता है, जो केवल नाममात्र के ऋणदाता होते हैं। बड़ी बात यह भी है कि 21 साल पुराने इस मामले में अभी तक सुनवाई शुरू नहीं हुई है। जस्टिस आदित्य महापात्रा की एकल पीठ ने मोटर वाहन निरीक्षक की पत्नी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द करते हुए कहा कि अधिकांश मामलों में ऐसा रिश्ते, विश्वास या प्रेम और स्नेह के कारण होता है, लेकिन अपराध में भाग लेने की उनकी कोई मंशा नहीं दिखती। ऐसे आश्रितों को कथित अपराध में उनके आचरण और भूमिका के संबंध में प्रारंभिक जांच किए बिना ही जोड़ना एक फैशन बन गया है। अभियुक्तों की ऐसी मंशा का पता लगाने के लिए न तो कोई जांच की जाती है और न ही ऐसे आश्रितों की संलिप्तता स्थापित करने के लिए कोई प्रथम दृष्टया सामग्री रिकॉर्ड पर लाई जाती है। इसके साथ ही जांच एजेंसिया उनके नाम पर दर्ज संपत्तियों को इस तथ्य की छानबीन किए बिना ही कि वह संपत्ति गलत तरीके से अर्जित की गई है,उन संपत्तियों को बहुत आसानी से कुर्की और जब्ती कर लेती हैं अपराध में उनकी संलिप्तता के संबंध में किसी विशिष्ट सामग्री के अभाव में पत्नी, जो एक गृहिणी है, को गिरफ्तार करना कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

दरअसल, ओडिशा सतर्कता विभाग ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोपों की जांच के बाद भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत जूनियर मोटर वाहन निरीक्षक (एमवीआई) चित्तरंजन सेनापति के खिलाफ 2004 में मामला दर्ज किया था। सेनापति को मुख्य आरोपी के रूप में चार्जशीट में नामजद किया गया था। जांच में पाया गया है कि सेनापति ने कथित तौर पर 29.65 लाख रुपये की संपत्ति अर्जित की है, जो उनकी आय के सभी ज्ञात स्रोतों से अधिक है। उसी वर्ष, सतर्कता विभाग ने उनकी पत्नी सस्मिता प्रधान को भी इस मामले में आरोपी बना दिया।

सतना, भोपाल, सीधी सहित 28 जिलों में 4.6ए तक चढ़ा पारा

मध्यप्रदेश में आज का मौसम (शनिवार, 19 अप्रैल) को कैसा रहेगा। सूबे में भीषण गर्मी है। सतना, भोपाल, सीधी, दमोह सहित 28 जिलों में दिन-रात का पारा 4.6 डिग्री तक चढ़ा है। सीजन में पहली बार दिन का पारा 44 डिग्री के पार पहुंचा। 28 जिलों में अधिकतम टेम्परेचर 40 डिग्री के ऊपर है। 25 शहरों में रात का पारा 25 डिग्री से ज्यादा है। मौसम विभाग ने शनिवार (19 अप्रैल) को दिन के पारे में बढ़ोतरी के संकेत दिए हैं। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर में गर्मी का कहर रहेगा।सतना, सीधी, खजुराहो, दमोह सहित 28 से ज्यादा जिलों में दिन रात का पारा बढ़ा है। सीधी में सबसे ज्यादा दिन का पारा 4.6 डिग्री ऊपर चढ़ा। सीधी में अधिकतम तापमान 43.8 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। सतना में 3.5 डिग्री पारा बढ़ा। छिंदवाड़ा 1, दमोह 3.1, जबलपुर 2.5, खजुराहो 3.6, मंडला 1, नवगांव 3.7, सागर 2.4, सिवनी 2, उमरिया 2.2, भोपाल 1.1, गुना 1.9, ग्वालियर 1, इंदौर 1.3, पचमढ़ी 1.6, रायसेन 1.8, शिवपुरी 2.2 और उज्जैन में पारा 1.3 डिग्री बढ़ा है।

आजादी के बाद देश में ऐसा होगा पहली बार...

दो साल नहीं, 200 दिन में ही 8वें वेतन आयोग का फायदा देगी सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने इस वर्ष जनवरी में 8वां वेतन आयोग गठित करने की घोषणा की थी। साथ ही यह भी कहा था कि वेतन आयोग की सिफारिशें एक जनवरी 2026 से प्रभावी होंगी। अब सरकार ने आठवें वेतन आयोग के गठन को लेकर कदम आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। आयोग का कामकाज तय समयावधि में पूरा हो जाए, इसके लिए 35 कार्मिकों की टीम बनाई जाएगी। यह स्टाफ प्रतिनियुक्ति पर आएगा। स्टाफ की नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे गए हैं। जानकारों का कहना है कि आजादी के बाद से लेकर अब तक यह पहला अवसर होगा, जब केंद्र सरकार महज 200 दिन में ही आठवां वेतन आयोग गठित कर उसकी सिफारिशें भी लागू कर देगी। देश में इससे पहले अभी तक जितने भी वेतन आयोग गठित हुए हैं, उनके कार्यकाल से लेकर सिफारिशें लागू होने में तकरीबन दो ढाई वर्ष का समय लगता रहा है। ऐसा पहली बार होगा, जब एक वर्ष से कम समय में सारे काम होंगे। सरकार ने जनवरी में आठवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा की थी। हालांकि अभी तक आयोग का चेयरमैन कौन होगा, कितने सदस्य होंगे, यह घोषणा नहीं हो सकी है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने इसी सप्ताह आठवें वेतन आयोग के कामकाज के लिए 35 पदों का ब्यौरा जारी किया है। इन पदों को प्रतिनियुक्ति के जरिये भरा जाएगा। इन कार्मिकों की पांच साल की एपीएआर और विजिलेंस क्लीयरेंस आदि को लेकर भी दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। वेतन आयोग के गठन से पहले सरकार ने सभी हितधारकों से टर्म ऑफ रेफ्रेंस के लिए सिफारिशें मांगी थी। राष्ट्रीय परिषद-जेसीएम की स्थायी समिति के कर्मचारी पक्ष और अन्य सदस्यों की 10 फरवरी को बुलाई गई बैठक में आठवें सीपीसी की संदर्भ शर्तों पर चर्चा की गई थी। कर्मचारी संगठनों ने कई मांगों को टर्म ऑफ रेफ्रेंस का हिस्सा बनाने के लिए केंद्र सरकार के पास अपनी सिफारिशें भेज दी थीं। हालांकि अभी केंद्र सरकार ने टर्म ऑफ रेफ्रेंस की घोषणा नहीं की है। माना जा रहा है कि इस माह सरकार, वेतन आयोग की संदर्भ शर्तों को लेकर घोषणा कर सकती है। केंद्र सरकार ने पहले ही यह घोषणा कर चुकी है कि 8वां वेतन आयोग 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होगा। इसका मतलब है कि आयोग को छह सात महीने में ही अपनी रिपोर्ट तैयार करनी पड़ेगी।

अब पेड़ों को हाईटेक मशीन से ट्रांसप्लांट करने की योजना

इंदौर। इंदौर में अब पेड़ों को हाईटेक मशीन से ट्रांसप्लांट करने की योजना बनाई गई है। इसके लिए नगर निगम इस साल एक हाईटेक मशीन के साथ 20 सपोर्टिंग रोबोट मशीनों भी खरीदने की तैयारी में है। इससे पेड़ों को वैज्ञानिक तरीके से एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से ट्रांसप्लांट किया जा सकेगा।

निगम के वर्कशॉप विभाग ने कई वाहनों और उपकरणों की खरीद का प्रस्ताव दिया है। इसमें एक हाईटेक ट्रांसप्लांट मशीन भी शामिल है। यह मशीन पेड़ों को काटे बिना उन्हें दूसरी जगह स्थानांतरित करने में सक्षम होगी। इसके अलावा 20 रोबोट मशीनें, 90 टैंकर, एक मिनी फायर मिस्ट जीप, एक रेस्क्यू लैडर, 85 अर्थमूविंग मशीनें, 15 ड्रेनेज सफाई मशीनें और टर्न-टेबल मशीनें भी खरीदी जाना है।

दरअसल इन दिनों शहर के कई जोन में टैंकरों की कमी है। इससे ग्रीन बेल्ट, डिवाइडर और बगीचों में पौधों को नियमित पानी देने में परेशानी आ रही है। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर ने वर्कशॉप विभाग से समन्वय कर अतिरिक्त टैंकरों की व्यवस्था करने को कहा है।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पौधों और वृक्षों को एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) से टैंकरों के माध्यम से पानी दिया जाए। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में स्थित कुओं से भी मोटर लगाकर पेड़ों को पानी की आपूर्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस साल भी 51 लाख पौधे लगाने का संकल्प लिया गया है। इस दिशा में ठोस कदम उठाने हेतु जोन-स्तरीय अधिकारियों को स्थान चयन प्रक्रिया जल्द शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी जोन में ग्रीन बेल्ट और डिवाइडर्स के माध्यम से पौधरोपण की योजना तैयारी की जा रही है।

मनमाड़-इंदौर रेल लाइन प्रोजेक्ट के लिए अब शुरू होगा भूमि अधिग्रहण

रेल विभाग ने 267 करोड़ रुपए किए मंजूर

इंदौर। निमाड़ क्षेत्र के विकास में रफ्तार देने वाली इंदौर-मनमाड़ रेल परियोजना का काम जल्दी ही जमीन पर नजर आने लगेगा। इसके लिए रेल विभाग ने 267 करोड़ रुपये भूमि अधिग्रहण के लिए मंजूर किए है। इंदौर, महू के अलावा अन्य जिलों के किसानों को प्रोजेक्ट में ली जा रही जमीन के बदले मुआवजा दिया जाएगा।

सरकार ने भू अर्जन अधिकारी तीन माह पहले ही नियुक्त कर दिए थे। मध्य प्रदेश के इंदौर, धार, खरगोन और बड़वानी जिले में नई रेलवे लाइन बिछाई जाएगी। रेलवे स्टेशन भी बनेंगे। इस परियोजना में चारों जिलों के 77 गांवों की जमीन आ रही है। जिसे रेल विभाग को अधिग्रहित करना है। इसमें महू के 18 गांव भी शामिल है।

इंदौर से मुंबई रुट पर जो ट्रेन जाती है। वह दाहोद, बड़ोदा होकर जाती है। इस कारण इंदौर से मुंबई की दूरी 840 किलोमीटर है लेकिन इंदौर मनमाड़ रेल परियोजना के बाद यह दूरी 568 किलोमीटर रह जाएगी। आठ घंटे में इंदौर से मुंबई पहुंचा जा सकेगा। सबसे ज्यादा फायदा निमाड़ को होगा। निमाड़ का हिस्सा रेल परियोजना से जुड़ जाएगा।

खरगोन, सेंधवा, बड़वानी जैसे जिले रेल संपर्क से जुड़ेंगे। इसके अलावा महाराष्ट्र के धुले शहर को भी इसका फायदा होगा। महाराष्ट्र वाले हिस्से में इस रेल परियोजना का काम तेजी से चल रहा है।

महाराष्ट्र चुनाव के पहले रेल मंत्रालय ने बचे काम के लिए राशि मंजूर की थी। इस परियोजना में विंध्याचल पर्वत माला के पहाड़ों के बीच से सुरंग भी बनाई जाएगी। 17 किलोमीटर की सात सुरंगे बनेगी। इसके अलावा चंबल, नर्मदा, देव और गोई नदी पर बड़े ब्रिज भी बनेंगे।

इस परियोजना के पूर्ण होने में पांच से आठ साल का समय लग सकता है। मध्य प्रदेश में सत्रह स्थानों पर स्टेशन बनाए जाएंगे,जबकि चार रेलवे गोदाम बनेंगे। इस परियोजना के कारण किसानों को काफी फायदा होंगे। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के किसान अपनी उपज को आसानी से भेज सकेंगें। अभी परिवहन लागत काफी लग जाती है।

महू तहसील के 18 गांवों को मिलेगा मुआवजा

इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन प्रोजेक्ट की निगरानी प्रधानमंत्री कार्यालय (ढटड) से सीधे की जा रही है। इस परियोजना के लिए इस बार बजट में 267.50 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इस राशि से प्रोजेक्ट में भूमि अधिग्रहण किया जाएगा। मप्र के तीन जिलों के 77 गांव से होकर रेल लाइन गुजरेगी। नवंबर-2024 में रेल मंत्रालय ने इन 77 गांव की जमीन अधिग्रहण करने के लिए गजट नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया था। इसी वर्ष मंत्रालय ने इंदौर जिले की महू तहसील के 18 गांवों की सूची जारी की थी। नई रेल लाइन धार, खरगोन और बड़वानी जिलों के आदिवासी अंचल के लिहाज से महत्वपूर्ण है। परियोजना से लगभग एक हजार गांव और 30 लाख आबादी का रेल सेवाओं से सीधा संपर्क होगा।

16 जोड़ी से ज्यादा पैसेंजर ट्रेनें चलेंगी

अनुमान के मुताबिक प्रोजेक्ट पूरा होने पर 16 जोड़ी से ज्यादा पैसेंजर ट्रेनों का संचालन होगा, जिनमें 50 लाख यात्री शुरुआती वर्षों में सफर करेंगे। हर साल इस प्रोजेक्ट से रेलवे को 900 करोड़ से अधिक का राजस्व मिलेगा। इंदौर से मुंबई की दूरी भी 830 किमी से घटकर 568 किमी रह जाएगी। अफसरों के अनुसार रेल मंत्रालय द्वारा 14 जनवरी को जारी नोटिफिकेशन के अनुसार महू तहसील के खेड़ी, चैनपुरा, कमदपुर, खुदालपुरा, कुराड़ाखेड़ी, अहिल्यापुर, नांदेड़, जामली, कैलोद, बेरछा, गवली पलासिया, आशापुरा, मलेंडी, कोदरिया, बोरखेड़ी, चौरड़िया, न्यू गुराडिया, और महू कंटोमेंट एरिया की चिह्नित जमीन का रेल प्रोजेक्ट के लिए अधिग्रहण होना है।

एक हजार गांवों को सीधे मिलेगा फायदा

इंदौर-मनमाड़ रेल प्रोजेक्ट के तहत कुल 309 किलोमीटर लंबी रेल लाइन इंदौर से महाराष्ट्र के मनमाड़ तक बिछाई जाएगी। इस परियोजना से लगभग एक हजार गांवों और 30 लाख की आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। रेलवे ने भू-स्वामियों को उचित मुआवजा देने का आश्वासन दिया है। प्रोजेक्ट के पूरा होने पर 16 जोड़ी यात्री ट्रेनों का संचालन होगा, और शुरुआती वर्षों में 50 लाख यात्रियों के सफर करने का अनुमान है। इस परियोजना के तहत मध्य प्रदेश में 170 किलोमीटर लंबी लाइन बिछाई जाएगी, जिसमें 18 स्टेशन शामिल होंगे।

मेयर इन काउंसिल की बैठक करोड़ों के विकास कार्यों को मंजूरी

इंदौर। महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में शुक्रवार को महापौर सभा कक्ष में मेयर इन काउंसिल की बैठक हुई। बैठक में निगम कमिश्नर शिवम वर्मा, सभी एमआईसी सदस्य और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में एक हजार करोड़ से ज्यादा के विकास कार्यों की मंजूरी मिली। इसके तहत शहर की सीमाओं पर भव्य स्वागत द्वार बनाए जाएंगे। दूसरा यह कि चंदन नगर चौराहा (चंद्रशेखर आजाद चौराहा) से नंदन नगर, कालानी नगर होते हुए एयरपोर्ट रोड तक सीमेंट कांक्रीट लिंक रोड निर्माण के टेंडर को भी मंजूरी दी गई। इस रोड का काम सालों से लंबित था। इसके बनने से पश्चिम रिंग रोड के विकास को गति मिलेगी।

चंदन नगर चौराहा से नंदन नगर, कालानी नगर होते हुए एयरपोर्ट रोड तक सीमेंट कांक्रीट लिंक रोड, कैरेजवे, पुल-पुलिया, फुटपाथ, स्टॉर्म वाटर लाइन और विद्युत लाइन शिफ्टिंग सहित 25 करोड़ के कामों के लिए टेंडर जारी करने के निर्देश दिए हैं। वार्ड 65 स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में 8 करोड़ रुपए की लागत से तीन गलियों और मुख्य सड़क का निर्माण काम मंजूर किया गया। कबीटखेड़ी स्थित 245 एमएलडी प्लांट से रेवती रेंज वृक्षारोपण स्थल तक 11 करोड़ रुपए की लागत से री-यूज्ड वाटर लाइन डालने की योजना को मंजूरी मिली है। 40 नए ओवरहेड टैंक निर्माण और वितरण नेटवर्क काम के लिए भी मंजूरी मिली है। 75 पुराने टैंक के वितरण नेटवर्क सुदृढ़ीकरण के लिए 965 करोड़ के टेंडर को मंजूर किए गए हैं। आग लगने की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई के लिए फायर प्रकोष्ठ गठन करने का निर्णय लिया गया है। फायर अमले की पद पूर्ति और कंसल्टेंट की सेवाएं लेने की मंजूरी। ट्रैफिक सुधार के लिए भी कंसल्टेंट की सेवाएं ली जाएंगी। शहर की सीमाओं पर नगर निगम द्वारा इंदौर आपका हार्दिक अभिनंदन करता है। संदेश के साथ स्वागत द्वार बनाए जाएंगे।

इंदौर मेयर मॉस्को में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

इंदौर के मेयर पुष्यमित्र भार्गव को रूस ने 'भारत गणराज्य के निवेश,आकर्षण और इसकी आर्थिक क्षमता' के बारे में अपने विचार रखने के लिए भारत गणराज्य की ओर से आमंत्रित किया है। मेयर 20 अप्रैल को रूस के मॉस्को शहर पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल होंगे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निर्देश पर वार्षिक ऑल-रूसी म्यूनिसिपल फोरम आयोजित की जा रही है। इसे 21-23 अप्रैल 2025 को मॉस्को में राष्ट्रीय केंद्र (रूस मॉस्को) में आयोजित किया जाएगा। इसमें फोरम के ढांचे के भीतर पैनल और रणनीतिक सत्र आयोजित किए जाएंगे। यहां विशेषज्ञ स्थानीय स्वशासन के विकास पर चर्चा करेंगे।

अरिजीत सिंह शो के पहले ही आयोजकों ने जमा कर दिया 30 लाख का मनोरंजन टैक्स

इंदौर। इंदौर में होने वाले बड़े शो के मनोरंजन टैक्स को लेकर उठे विवाद को देखते हुए 19 अप्रैल को होने वाले अरिजीत सिंह के शो से पहले ही आयोजकों ने 30 लाख रुपये का चेक नगर निगम में जमा कर दिया है। इंदौर में दिलजीत दोसांझ और हनी सिंह के हो चुके शो को लेकर नगर निगम को पर्याप्त मनोरंजन कर नहीं मिला। हनी सिंह शो के बाद नगर निगम ने टैक्स वसूली के लिए तीन ट्रक उपकरण भी जब्त कर लिए थे। बाद में मामला कोर्ट तक पहुंचा था। इंदौर में शनिवार को अरिजीत सिंह को शो होने वाला है। इस मामले में टैक्स को लेकर पूर्व में ही नगर निगम ने आयोजकों को पत्र लिखा था,लेकिन शुक्रवार सुबह तक टैक्स जमा नहीं हुआ था। नगर निगम के अमले ने दोपहर में आयोजन स्थल पर जाकर सामान जब्त करने की तैयारी कर ली थी। बताते है कि इसकी भनक आयोजकों को लग गई और उन्होंने 30 लाख रुपये के चैक नगर निगम के अफसरों को जमा कर दिए। इसकी पुष्टी नगर निगम अपर आयुक्त लता अग्रवाल ने की है।

पराली जलाने पर 13 किसानों पर एफआईआर...

इंदौर। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक अवकाश के दौरान भी गेहूं खरीदी जारी रखने का निर्णय लिया है। खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि किसान स्लॉट बुक कर सकते हैं और अपनी फसल को आसानी से बेच सकेंगे। इंदौर जिले में फसल अवशेष जलाने के मामले में कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर 13 किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें कनाडिया, मल्हारगंज, खुड़ैल, राऊ, डॉ. अम्बेडकर नगर महू, सांवेर और देपालपुर के किसान शामिल हैं। खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सभी जिला कलेक्टर को उपार्जन केंद्रों की निरंतर निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को लंबी कतारों में खड़ा न होना पड़े, इसके लिए तुलाई, रख-रखाव, भुगतान और परिवहन की प्रक्रिया समय पर पूरी की जाएगी।

जिला प्रशासन और कृषि विभाग द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर किसान संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम के तहत किसानों को फसल अवशेष जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही, नरवाई जलाने वालों से अर्थदंड भी वसूला जा रहा है।

15 जून से होगी नीट पीजी की परीक्षा इंदौर में नहीं बना एक भी सेंटर

इंदौर। 15 जून से नीट पीजी की परीक्षा होने वाली है, लेकिन इस बार इंदौर में इसके लिए परीक्षा सेंटर ही नहीं बनाया गया है,जबकि प्रदेश का सबसे बड़ा शहर होने के कारण इंदौर में पीजी की परीक्षा देने वाले इंदौर में सबसे ज्यादा विद्यार्थी है। इंदौर से सेंटर नहीं बनाए जाने से विद्यार्थी भी हैरान है। उनका कहना है कि दूसरे शहरों में परीक्षा देने जाएंगे तो होटलों में रुकना होगा। परीक्षा की तैयारियां भी वहां ठीक से नहीं हो सकती है। इंदौर में भी सेंटर दिया जाना चाहिए था। हर साल इंदौर में सेंटर दिया जाता है। इससे परीक्षार्थियों को आसानी होती है। इंदौर में एक सरकारी और दो निजी मेडिकल कॉलेज है। मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा नीट पीजी में इंदौर के ही छात्र परीक्षा देते है। इनकी संख्या हजारों में है। इसके बावजूद इंदौर के बजाए भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, सतना और उज्जैन में परीक्षा सेंटर बनाए गए है। यह परीक्षा 15 जून को होगी। इंदौर के हजारों विद्यार्थियों के सेंटर दूसरे शहरों में आए है। इस कारण अब उन्हें वहां होटलों या रिश्तेदारों के घर रुककर परीक्षा की तैयारी करना होगी और पेपर देने जाना होगा।

नशे में धुत कार चालक ने मचाया कोहराम, चार वाहनों को मारी टक्कर

इंदौर। इंदौर के पलासिया क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक तेज रफ्तार कार ने बेकाबू होकर चार वाहनों को टक्कर मार दी। इस हादसे में कार चालक भी घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए एमवाय अस्पताल ले जाया गया। दुर्घटना इतनी भयानक थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने आरोपी युवक की कार जब्त कर ली है, लेकिन अब तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। पलासिया पुलिस के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त कार (एचआर26ईएच9003) को शुभम चौरसिया नामक युवक चला रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शुभम नशे की हालत में था और उसकी कार पूरी तरह से नियंत्रण से बाहर हो चुकी थी। पहले उसने एक कार को टक्कर मारी, इसके बाद एक पैसेंजर ऑटो और एक बाइक को भी चपेट में ले लिया। तेज रफ्तार से आ रही कार ने एक के बाद एक कई वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। हादसे के दौरान एक ऐसी कार भी चपेट में आ गई जिसमें एक गर्भवती महिला सवार थी। महिला के परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहे थे। टक्कर लगने के बाद वे तुरंत महिला को लेकर वहां से रवाना हो गए और घटनास्थल पर नहीं रुके। गनीमत रही कि किसी की जान नहीं गई, लेकिन स्थिति बेहद गंभीर हो सकती थी। इधर शुभम चौरसिया भी टक्कर के दौरान घायल हो गया था। राहगीरों की मदद से उसे कार से बाहर निकाला गया और एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उसके परिजन उसे एक निजी अस्पताल लेकर चले गए। देर रात पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है और पूरे मामले की जांच जारी है।

शातिर चोरों ने किसान को दिनदहाड़े लूट लिया कार से ले भागे सात लाख रुपए

इंदौर। शहर में चोरों ने किसानों को निशाना बनाया। गुरुवार शाम को एमजी रोड थाना क्षेत्र में यह घटना हुई। शाजापुर जिले के दो किसान 7 लाख रुपए से भरा बैग गंवा बैठे। वे मंडी में आलू बेचकर लौट रहे थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शाजापुर के गोविंद पाटीदार और प्रवीण पाटीदार आलू बेचने इंदौर आए थे। वे चोइथराम मंडी में आलू लेकर आए थे। व्यापारियों से बात करके उन्होंने सौदा तय किया। उन्हें लगभग 7 लाख रुपए नकद मिले। उन्होंने यह रकम एक बैग में रखी। फिर वे सिख मोहल्ला में एक दुकान पर कुछ सामान खरीदने गए। उन्होंने कार सड़क किनारे खड़ी की, लेकिन जल्दी में उसे लॉक नहीं किया। तभी एक ठेले वाले ने उन्हें बताया कि उनकी कार के पास आम गिरे हैं। वे भागकर कार के पास पहुंचे। उन्होंने देखा कि गाड़ी का दरवाजा खुला है और जमीन पर कुछ आम बिखरे हुए हैं। उन्हें शक हुआ। उन्होंने कार की तलाशी ली। सीट पर रखा 7 लाख रुपये का बैग गायब था। किसानों ने तुरंत आसपास के दुकानदारों और लोगों से पूछताछ की। लेकिन उन्हें कोई जानकारी नहीं मिली। काफी देर तक ढूंढने के बाद वे एमजी रोड थाने पहुंचे। उन्होंने चोरी की शिकायत दर्ज कराई। इस मामले पर इंदौर डीसीपी हंसराज सिंह ने जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि दोनों किसान नकदी लेकर आए थे। उन्होंने कार को बिना लॉक किए शॉपिंग करने चले गए। इसी दौरान चोरों ने बैग चुरा लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। कुछ संदिग्ध फुटेज में दिखाई दिए हैं। पुलिस उनकी पहचान कर जल्द ही उन्हें गिरफ्तार करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा

वन प्रबंधन में औपनिवेशिक सोच से मुक्त होना जरूरी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल में नरोन्हा प्रशासन अकादमी में जनजातीय क्षेत्रों में वन पुनर्स्थापना, जलवायु परिवर्तन और समुदाय आधारित आजीविका पर प्रशासन अकादमी में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री का धन्यवाद देते हुए कहा कि देश में विलुप्त हो रहे जीवों जैसे चीतों की पुर्नस्थापना हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के जंगलों में टाइगर की सक्रिय उपस्थिति के कारण इको सिस्टम सुधर रहा है। अब हमारे यहां चीता भी आ गया है। उन्होंने कहा कि किंग कोबरा सहित रैप्टाइल्स की प्रजातियों के संरक्षण के लिए भी व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता जताते हुए कहा कि इससे सर्पदंश की घटनाओं में कमी आएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन क्षेत्र में विद्यमान जनजातीय समुदाय के पूजा और आस्था स्थलों के संरक्षण के लिए उचित व्यवस्था की जाएगी। आवश्यकता होने पर केंद्र शासन से भी सहयोग प्राप्त किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि वन, आजीविका से संबद्ध विषय है। जनजातीय क्षेत्र में अपार वन संपदा उपलब्ध है। इसके प्रबंधन में ध्यान रखना होगा कि विकास से जनजातीय वर्ग के हित प्रभावित न हो। भारतीय जीवन पद्धति वनों पर आधारित रही है। वनों के प्रबंधन में औपनिवेशिक सोच से मुक्त होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रकृति आधारित जीवन जीने से कई समस्याओं का समाधान स्वत: ही हो जाता है। प्रदेश में यद्यपि कोई ग्लेशियर नहीं है, किंतु प्राकृतिक रूप से वनों से निकलने वाली जल राशि से ही प्रदेश से निकलने वाली बड़ी नदियां आकार लेती हैं। मध्य प्रदेश से निकली सोन, केन, बेतवा, नर्मदा नदियां देश के कई राज्यों में जल से जीवन पहुंचा रही हैं। बिहार, गुजरात और उत्तर प्रदेश की प्रगति में प्रदेश के वनों से निकले इस जल का महत्वपूर्ण योगदान है।

प्रकृति जो भी बनाएगी वह नेट जीरो होगा - यादव

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि हमें प्रकृति के संरक्षण के लिए समुदाय आधारित योजनाएं तैयार करने की जरूरत है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि दुनिया में दो तरह के विकास मॉडल है। एक पश्चिम और दूसरा पूर्व। पश्चिम का विकास मॉडल मानव केंद्रित है, जबकि पूर्व का प्रकृति आधारित है। पश्चिम के मॉडल से साफ है कि इंसान जो भी बताए वह कचरा होगा, जबकि प्रकृति जो बनाएगी वह नेट जीरो होगा। उन्होंने कहा कि पृथ्वी पर निवासरत प्रत्येक व्यक्ति को ऊर्जा, अन्न और जल को सुरक्षित रखना होगा। पर्यावरण संरक्षण में सॉलिड वेस्ट और ई-वेस्ट मैनेजमेंट बड़ी चुनौती है। प्लास्टिक के उपयोग को कम करना और स्वस्थ जीवन शैली अपनाना आवश्यक है। यादव ने कहा कि विकास की इस धारा में वन और प्रकृति के संरक्षण को साथ लेकर चलना होगा। केंद्र सरकार ने कैपेसिटी बिल्डिंग के माध्यम से वनों में रहने वाले लोगों के जीवन में परिवर्तन के लिए कार्य किया है।

जनजातीय समाज व वनों का अभिन्न संबंध - उइके

केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि जनजातीय समाज और वनों का संबंध अभिन्न है। मिश्रित वनों के शरण के कारण जनजातीय समुदाय वन क्षेत्र से पलायन के लिए विवश हो रहा है। इसी का परिणाम है कि वन प्रबंधन और जनजातीय समुदाय के आजीविका के संसाधनों पर विचार-विमर्श की आवश्यकता उत्पन्न हो रही है। भारत में अरण्यक संस्कृति में ही वेद पुराण आदि का लेखन संपन्न हुआ। भारतीय ज्ञान परंपरा और वन्य व जनजातीय समाज एक दूसरे पर आश्रित हैं। इनका समग्रता में महत्व स्वीकारते हुए भविष्य की नीतियां निर्धारित करना आवश्यक है। मुख्य वक्ता, विचारक तथा चिंतक, मुख्य वक्ता गिरीश कुबेर ने कहा कि वन और वनवासियों के परस्पर हित एक दूसरे में निहित हैं। जनजातीय समाज की अजीविका का विषय वर्तमान परिदृश्य में बहुत संवेदनशील है। भारतीय ज्ञान परंपरा, वाचिक स्रोतों और पीढ़ी दर पीढ़ी चले आ रहे ज्ञान को महत्व देना आवश्यक है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अनुसंधान को दी जा रही प्राथमिकता के अनुरूप जनजातीय समुदायों की वनों को लेकर जानकारी पर अध्ययन के लिए विशेष पहल होना चाहिए। वन संसाधनों के समान वितरण की परंपरागत प्रक्रिया को महत्व देने, नैसर्गिक गांव को ग्राम सभा के रूप में मान्य करने, जनजातीय समुदाय के वन अधिकारों की मान्यता को भी उन्होंने आवश्यक बताया।

जलवायु अनुकूल आजीविका जरूरी - शाह

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में समुदाय आधारित वन पुनर्स्थापना, जलवायु अनुकूल आजीविका पर चर्चा आज की महती आवश्यकता है। इससे भविष्य में जनजातीय क्षेत्रों में सुरक्षित आजीविका की गारंटी मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश से आये विषय विशेषज्ञों के अनुभवों एवं विचारों से प्राप्त होने वाले निष्कर्ष जनजातीय क्षेत्रों के निवासियों के सुरक्षित भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

रेल यात्रियों के लिए बड़ी मुश्किल, 26 ट्रेनें अप्रैल और मई में रहेंगी कैंसल

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। उत्तर पूर्व रेलवे के गोरखपुर मंडल के अंतर्गत तीसरी लाइन के इंटरलाकिंग कार्य के चलते ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा। इस कारण भोपाल मंडल से गुजरने वाली 26 ट्रेनों को अलग-अलग तिथियों में निरस्त किया है। रेलवे प्रशासन द्वारा जारी सूचना के अनुसार ये ट्रेनें 17 अप्रैल से 7 मई तक अलग-अलग दिनों में निरस्त रहेंगी। प्रभावित ट्रेनों में पुणे, कोचुवेली, सिकंदराबाद, यशवंतपुर, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, ओखा, पनवेल, बांद्रा टर्मिनस तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनस जैसे गंतव्यों से चलने वाली प्रमुख लंबी दूरी की ट्रेनें शामिल हैं।

पुणे-गोरखपुर तीन मई, गोरखपुर-कोचुवेली 27 अप्रैल, 1, 2, 4 मई, कोचुवेली-गोरखपुर 30 अप्रैल, 4, 6, 7 मई, गोरखपुर-सिकंदराबाद 30 अप्रैल। सिकंदराबाद-गोरखपुर एक मई। गोरखपुर-यशवंतपुर 26 अप्रैल। सिकंदराबाद-गोरखपुर 28 अप्रैल। गोरखपुर-एलटीटी 22 एवं 29 अप्रैल। एलटीटी-गोरखपुर 23, 30 अप्रैल। एलटीटी-गोरखपुर 27 अप्रैल से तीन मई। गोरखपुर-एलटीटी 27 अप्रैल से तीन मई। गोरखपुर-यशवंतपुर 22 व 29 अप्रैल। यशवंतपुर-गोरखपुर 24 अप्रैल व एक मई। गोरखपुर-पुणे 24 अप्रैल व एक मई। पुणे-गोरखपुर 26 अप्रैल व तीन मई। गोरखपुर-ओखा 24 अप्रैल व एक मई। ओखा-गोरखपुर 27 अप्रैल व चार मई तक निरस्त रहेगी।

इधर... मौसम साफ, फिर भी देरी से चल रहीं ट्रेनें

भोपाल में गुरुवार को रेलवे यात्री मौसम साफ होने के बावजूद परेशान हुए। कई प्रमुख ट्रेनें 30 मिनट से लेकर 2 घंटे तक की देरी से भोपाल रेलवे स्टेशन पहुंचीं। वहीं, कुछ ट्रेनों की लेटलतीफी तो 3 से 6 घंटे तक दर्ज की गई, जिससे यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ा। स्टेशन पर यात्रियों की खासी भीड़ देखने को मिली, लेकिन जानकारी के अभाव और ट्रेनों के अनिश्चित आगमन समय ने उनकी परेशानी को और बढ़ा दिया। यात्रियों ने शिकायत की कि प्लेटफार्म पर ट्रेनों के आगमन और प्रस्थान के संबंध में समय पर कोई स्पष्ट घोषणा नहीं की जा रही थी, जिससे उन्हें घंटों तक दुविधा में रहना पड़ा।

ट्रेनें देरी से पहुंची भोपाल

12138 पंजाब मेल - एक घंटा
12406 गोंडवाना - 24 मिनट
11058 अमृतसर - डेढ़ घंटा
12920 मालवा - 2 घंटे 06 मिनट
12156 भोपाल एक्स - आधा घंटा
12722 दक्षिण एक्स- 28 मिनट
18237 छत्तीसगढ़ - 28 मिनट
12853 अमरकंटक - 30 मिनट
22537 कुशीनगर - 35 मिनट

यात्री भी हो रहे परेशान

भोपाल स्टेशन पर ट्रेनों की लेटलतीफी से परेशान यात्री जब वेटिंग एरिया में बैठे तो वहां भी उन्हें राहत नहीं मिली। प्लेटफार्म एक पर बने छह नंबर वेटिंग एरिया में वाशरूम की हालत खस्ता है। वाशरूम में पानी की व्यवस्था नहीं है।

प्रदेश में गर्मी के तेवर हुए तीखे, पारा 44.6 डिग्री पहुंचा

18 जिलों का तापमान 42 डिग्री पार

भोपाल। मध्य प्रदेश में गर्मी के तेवर तीखे हो गए हैं। शुक्रवार को प्रदेश में सबसे अधिक 44.6 डिग्री सेल्सियस तापमान खजुराहो में दर्ज किया गया। 18 शहरों में अधिकतम तापमान 42 से अधिक दर्ज किया गया। गुना में भी लू का प्रभाव रहा यहां का अधिकतम तापमान 44.3 डिग्री रहा। मौसम विभाग का कहना है कि गुजरात एवं राजस्थान में तपिश काफी बढ़ गई है। वहां से आ रही गर्म हवाओं के कारण मध्य प्रदेश में भी गर्मी बढ़ गई है।

प्रदेश के पांच अधिकतम तापमान वाले शहर

तीसरे सप्ताह में उत्तर-पश्चिमी हवाओं के जोर पकड़ने के साथ इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, चंबल, सागर, रीवा, नर्मदापुरम संभागों में न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। पूरे प्रदेश में दिन में अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। 2 से 3 दिन लू चल सकती है। हल्की बारिश होने की संभावना है। जबकि चौथा सप्ताह मे उत्तर-पश्चिमी हवाओं के लगातार जोर पकड़ने के साथ न्यूनतम तापमान पूरे प्रदेश में सामान्य से 3-4 डिग्री अधिक यानि 27 से 30 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। दिन के साथ रातें भी गर्म हो जाएंगी। ग्वालियर, चंबल, सागर और रीवा संभाग में पारा 43-45 डिग्री जबकि इंदौर, उज्जैन-भोपाल सहित बाकी प्रदेश में 41 से 44 डिग्री सेल्सियस तापमान रह सकता है। बंगाल क्षेत्र में साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की वजह से अप्रैल के आखिरी में 3 से 4 दिन तक लू का असर रह सकता है।

गाय को बचाने के चक्कर में नहर में गिरी कार, एयर होस्टेस की मौत

भोपाल। भोपाल में गुरुवार रात एक तेज रफ्तार कार कोलार नहर में गिर गई। हादसे में एअर इंडिया की एयर होस्टेस हर्षिता शर्मा (21) की मौत हो गई। वह अपने दो दोस्तों के साथ घूमने निकली थी। कार चला रहे दोस्त जय ने बताया कि सामने अचानक गाय आ गई, जिसे बचाने की कोशिश में कार बेकाबू होकर नहर में जा गिरी। हर्षिता को गंभीर हालत में एक निजी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां शुक्रवार सुबह उसकी मौत हो गई। हादसे में दो दोस्तों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने गाड़ी चला रहे जय के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का केस दर्ज किया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद धाराएं बढ़ाई जा सकती हैं। एयर होस्टेस हर्षिता के पिता प्रदीप शर्मा ने बताया कि वह अक्सर शहर से बाहर रहती थी। बुधवार रात उसने भाई को वॉट्सऐप पर बताया था कि शुक्रवार को भोपाल आ रही है। हमें नहीं पता था कि वह गुरुवार को ही भोपाल पहुंच गई थी। वह मिनाल रेसीडेंसी के पास होटल में रुकी थी। परिजन को हादसे की जानकारी तब मिली, जब हर्षिता की दोस्त शिवानी का कॉल आया कि वह अस्पताल में भर्ती है। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने बताया कि हर्षिता ब्रेन डेड हो चुकी है। शुक्रवार सुबह उसे मृत घोषित कर दिया गया।

वीवीआईपी एरिया में सरकारी मकान के आंगन में मजार, जांच की मांग

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के 1250 क्वार्टर में स्थित एक सरकारी मकान में बनी मजार को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कुछ सामाजिक संगठनों ने इसे अतिक्रमण का मामला बताते हुए जिला प्रशासन से स्थिति स्पष्ट करने और आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। यह इलाका मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य वीवीआईपी लोगों के निवास स्थानों से बेहद नजदीक है, जिससे मामला और अधिक संवेदनशील हो गया है। संस्कृति बचाओ मंच के प्रदेशअध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी का कहना है कि मजार हाल ही में बनाई गई है और यह सरकारी जमीन पर स्थापित की गई है। उनका कहना है कि अवैध निर्माण पर प्रशासन तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

वहीं, दूसरी ओर स्थानीय निवासियों का दावा है कि यह मजार कई वर्षों से मौजूद है और यहां रहने वाले एक परिवार द्वारा इसका संरक्षण किया जाता रहा है।

इलाके की संवेदनशीलता को देखते हुए अब यह प्रश्न उठाया जा रहा है कि क्या इस प्रकार के धार्मिक निर्माण की अनुमति दी गई थी और यदि नहीं, तो जिम्मेदार अधिकारियों ने अब तक कोई संज्ञान क्यों नहीं लिया? साथ ही यह भी पूछा जा रहा है कि यदि मजार पुरानी है तो उसके आसपास सरकारी इमारतों और आवासों का निर्माण किस प्रक्रिया से हुआ। 1250 क्वार्टर क्षेत्र में लगभग 90त्न मकान सरकारी हैं, जहां विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी रहते हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण या अनधिकृत निर्माण प्रशासनिक प्रक्रियाओं पर सवाल खड़े करता है। जिला प्रशासन को सौंपी गई शिकायत में इन सभी बिंदुओं की जांच कर स्पष्टता लाने की मांग की गई है। अधिकारियों का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और संबंधित विभागों से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी गई है।

नर्सिंग मामले में जांच शुरू, नेता प्रतिपक्ष ने कहा-सिर्फ दिखावटी कार्रवाई

भोपाल। मध्यप्रदेश के बहुचर्चित नर्सिंग घोटाले में शासन ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। राज्य सरकार ने शासकीय नर्सिंग कॉलेज जीएमसी की प्राचार्य राधिका नायर को पद से हटा दिया है। साथ ही गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल के एक दर्जन से अधिक नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों समेत प्रदेशभर के लगभग 70 लोगों के विरुद्ध चिकित्सा शिक्षा विभाग ने आरोप पत्र जारी कर विभागीय जांच के निर्देश दिए हैं।मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है कि मध्य प्रदेश की सरकार सिर्फ दिखावटी कार्रवाई कर रही है। असली गुनहगार अब तक आजाद है। सरकार लीपापोती कर असली गुनहगारों को बचाने का प्रयास कर रही है।

यह सिर्फ एक घोटाला नहीं बल्कि मध्यप्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर कलंक है। उमंग सिंघार ने आगे कहा कि रजनी नायर को हटाना सिर्फ दिखावटी कार्रवाई है।

आज भोपाल में जुटेंगे देशभर के 600 एलपीजी वितरक

कमीशन बढ़ोतरी समेत कई मांगों को लेकर करेंगे मंथन, आंदोलन की रणनीति तैयार करेंगे

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन (आई) का राष्ट्रीय अधिवेशन शनिवार को होगा। यह अधिवेशन सुबह साढ़े दस बजे भोपाल के समन्वय भवन, टीटी नगर में आयोजित किया जाएगा। जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से करीब 600 एलपीजी वितरक भाग लेंगे। जिसमें प्रमुख रूप से तमिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र, राजस्थान, बिहार, झारखंड, यूपी समेत कई राज्य शामिल हैं। अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य वितरकों की लंबित मांगों पर मंथन करना और आंदोलन की रणनीति तैयार करना है।

कमीशन में वृद्धि को लेकर रखेंगे अपनी मांग

अधिवेशन को लेकर भोपाल में शुक्रवार को प्रेस वार्ता आयोजित की गई, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष बीएस शर्मा ने कहा कि हम लोगों के घर पर गैस सिलेंडर पहुंचा रहे हैं। वहीं आज भी वितरकों को 40 किलोमीटर दूर तक गैस सिलेंडर पहुंचाने पर केवल 35 रुपए मिलते हैं। जो इस महंगाई में बहुत कम है। इसलिए हम कमीशन में वृद्धि को लेकर अपनी मांग करेंगे। वहीं तेल कंपनी अपना घाटा पूरा करने के लिए हम पर जुर्माना लगाती हैं। जैसे उज्ज्वला योजना में लोग सिलेंडर महंगा होने से लकड़ी का इस्तेमाल कर रहे हैं। अब इसके लिए डीलर कैसे जिम्मेदार है। वो इसकी रिकवरी डीलर से करना चाहते हैं।

25 से 50 लाख तक का लगाया गया जुर्माना

उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष पीयूष राय ने कहा कि उज्ज्वला योजना में हम सब डाटा फीडर थे और डाटा फीडर होने के बावजूद हम लोगों से बार-बार पैसे की वसूली की जाती थी। कहा गया कि हमने गलत कनेक्शन जारी किया। जब सॉफ्टवेयर तेल कंपनियों का था सारी व्यवस्थाएं उनकी थी हमने तो केवल फॉर्म लिया और उसमें डाटा फीड किया है। कनेक्शन को भी उन्होंने ही जनरेट किया था। हमने तो उसको सिर्फ इंस्टॉल किया है। अब अगर इंस्टॉल होने के बाद भी वह कनेक्शन नहीं मिल रहा है या फेक है तो इसके लिए सॉफ्टवेयर जिम्मेदार है न कि हम। लेकिन हम पर 25 से 50 लाख तक का जुर्माना लगाया गया।

सम्पादकीय

देश की सराहनीय उद्यमिता पर लग बदनुमा दाग!

हाल ही में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने जेनसोल इंजीनियरिंग के प्रमोटर भाइयों के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। मार्केट रेगुलेटर ने अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी को कंपनी के डायरेक्टर पद से हटा दिया है। दोनों के मार्केट में पार्टिसिपेशन पर भी रोक लगा दी है। सेबी ने अंतरिम आदेश में दोनों भाइयों पर लगे आरोपों के बारे में विस्तार से बताया है। दरअसल जेनसोल इंजीनियरिंग के मामले में प्रवर्तकों ने कथित तौर पर फंड को अपने व्यक्तिगत कामों में इस्तेमाल किया, भारतीय स्टार्टअप जगत में धोखाधड़ी की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक माना जा रहा है। यह न केवल देश की सराहनीय उद्यमिता पर एक बदनुमा दाग है बल्कि इससे स्टार्टअप की दुनिया में नियमन के माहौल को लेकर भी सवाल खड़े हुए हैं।

हाल ही में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने जेनसोल इंजीनियरिंग के प्रमोटर भाइयों के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। मार्केट रेगुलेटर ने अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी को कंपनी के डायरेक्टर पद से हटा दिया है। दोनों के मार्केट में पार्टिसिपेशन पर भी रोक लगा दी है। सेबी ने अंतरिम आदेश में दोनों भाइयों पर लगे आरोपों के बारे में विस्तार से बताया है। दरअसल जेनसोल इंजीनियरिंग के मामले में प्रवर्तकों ने कथित तौर पर फंड को अपने व्यक्तिगत कामों में इस्तेमाल किया, भारतीय स्टार्टअप जगत में धोखाधड़ी की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक माना जा रहा है। यह न केवल देश की सराहनीय उद्यमिता पर एक बदनुमा दाग है बल्कि इससे स्टार्टअप की दुनिया में नियमन के माहौल को लेकर भी सवाल खड़े हुए हैं। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने एक इंटरव्यू में आश्वस्त किया कि जेनसोल जैसे मामलों में खराब शासन-प्रशासन का मुद्दा वास्तव में व्यवस्थागत दिक्कत नहीं है और कारोबारी धोखाधड़ियों को रोकने के लिए ठोस कदम और शासन संबंधी मानक स्थापित हैं। सेबी प्रमुख यह मानते हैं कि नियामकीय सुधारों की शायद आवश्यकता नहीं लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वतंत्र निदेशकों, बोर्ड और लेखा परीक्षकों को सक्रियता दिखानी होगी ताकि भ्रष्ट कंपनियों के लालच और कदाचार पर लगाम लगाई जा सके। यह कारोबारी धोखाधड़ी रोकने का कहीं अधिक सही तरीका प्रतीत होता है बजाय कि नियामकीय मानकों को और अधिक सख्त करने के। यह स्टार्टअप के लिए खासतौर पर सही है क्योंकि वे आमतौर पर नवाचार, तेज वृद्धि और सीमित संसाधनों वाली युवा कंपनियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसे पहले भी फिनटेक, एडुटेक और अन्य क्षेत्रों में ऐसी स्टार्टअप सामने आ चुकी हैं जो नियामकीय अनुपालन में कामयाब नहीं रहीं। जेनसोल तथा उसकी उपभोक्तामुखी कंपनी ब्लूस्मार्ट के सेबी के जांच के दायरे में आने के बाद विधि विरुद्ध काम करने वाली स्टार्टअप की सूची और लंबी हो गई है। मंगलवार को शेयर बाजार नियामक ने जेनसोल इंजीनियरिंग के प्रवर्तकों और निदेशकों अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी को प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया। ऐसा उनके कथित तौर पर फंड के दुरुपयोग तथा धोखाधड़ी करने के कारण किया गया। एक मजबूत बोर्ड रूम और साहसी स्वतंत्र निवेशक स्टार्टअप पर नजर रख सकते हैं और प्रवर्तकों द्वारा फंड के दुरुपयोग को रोक सकते हैं। इसके साथ ही बाहरी लेखा परीक्षकों को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कंपनी के फंड प्रवर्तक की निजी जागीर नहीं हैं। ऐसा लगता है कि जेनसोल के मामले में न तो बोर्ड और न ही लेखा परीक्षकों ने अपना काम ठीक से किया। संस्थापकों ने गुरुग्राम में एक आलीशान अपार्टमेंट खरीदा, ढेर सारी धनराशि गोल्फ के उपकरण खरीदने में खर्च की और करोड़ों रुपये अपने रिश्तेदारों के खातों में हस्तांतरित किए। यह तब है जब कंपनी ने दो सरकारी एजेंसियों से कर्ज लिया था ताकि बिजली से चलने वाले वाहनों के अपने बेड़े का विस्तार कर सके। वित्त वर्ष 22 और वित्त वर्ष 24 के बीच लिए गए 977.75 करोड़ रुपये के ऋण में से संस्थापकों ने तकरीबन 262 करोड़ रुपये की राशि को जटिल लेनदेन के जरिये व्यक्तिगत कामों में खर्च किया। जेनसोल के शेयरों की कीमत विगत 12 महीनों में करीब 90 फीसदी टूट गई है। इस सप्ताह उस पर लोअर सर्किट लगा और इससे उसके शेयरधारक प्रभावित हुए। ग्राहकों पर भी असर पड़ा क्योंकि उसकी इलेक्ट्रिक कैब सेवा ब्लूस्मार्ट ने बिना किसी पूर्व सूचना के अपना परिचालन बंद कर दिया। ब्लूस्मार्ट ने उबर और ओला के दबदबे वाले कैब एग्रीगेटर क्षेत्र में ग्राहकों को विकल्प देने की पेशकश की थी। ब्लूस्मार्ट के बंद हो जाने के बाद उपभोक्ताओं को अब इन्हीं दो विदेशी फंडिंग वाली कंपनियों में से अपना चयन करना होगा। हालांकि कुछ शहरों में रैपिडो सेवा भी लोकप्रिय हो रही है। कुछ वर्ष पहले केलॉग स्कूल रिसर्च ने एक अध्ययन किया था जिसने यह दिखाया था कि नैतिक व्यवहार के मामले में स्टार्टअप के साथ अन्य संस्थानों की तुलना में नरमी बरती जानी चाहिए।

भूदान आंदोलन के अमृत महोत्सव का साल

18 अप्रैल से भारत में एक अनूठी सामाजिक क्रांति का अमृत महोत्सव वर्ष प्रारंभ हुआ है। पचहत्तर साल पहले 1951 में तेलंगाना के नलगोंडा जिले के पोचमपल्ली गांव से एक ऐसी सामाजिक रक्तहीन क्रांति का आगाज हुआ था, जिसने उस दौर के लाखों किसानों की जिंदगी बदलकर रख दी थी। हिन्दुस्तान के इतिहास में ऐसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। महात्मा गांधी के शिष्य विनोबा भावे ने इस गांव से भारत के भूमिहीनों को जमीन का मालिक बनाने के लिए मुहीम छेड़ी और देखते ही देखते कश्मीर से कन्याकुमारी तक विनोबा की झोली दान की जमीन से भर गई। उन्हें जमींदारों ने जमीन दी, राजाओं-महाराजाओं और निजाम ने जमीन दी।

18 अप्रैल से भारत में एक अनूठी सामाजिक क्रांति का अमृत महोत्सव वर्ष प्रारंभ हुआ है। पचहत्तर साल पहले 1951 में तेलंगाना के नलगोंडा जिले के पोचमपल्ली गांव से एक ऐसी सामाजिक रक्तहीन क्रांति का आगाज हुआ था, जिसने उस दौर के लाखों किसानों की जिंदगी बदलकर रख दी थी। हिन्दुस्तान के इतिहास में ऐसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। महात्मा गांधी के शिष्य विनोबा भावे ने इस गांव से भारत के भूमिहीनों को जमीन का मालिक बनाने के लिए मुहीम छेड़ी और देखते ही देखते कश्मीर से कन्याकुमारी तक विनोबा की झोली दान की जमीन से भर गई। उन्हें जमींदारों ने जमीन दी, राजाओं-महाराजाओं और निजाम ने जमीन दी। यह देश वास्तव में आजाद तो हुआ था ,लेकिन उसका लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े इंसान को नहीं मिल रहा था। वे शोषण के शिकार थे। उनकी दशा गुलामों से बदतर थी। करीब-करीब सारी भूमि बड़े अमीरों और घरानों के पास थी। विनोबा के सामने मुश्किल यह थी कि वे कैसे इस भूमि को असल जरूरतमंदों तक पहुंचाएं। उनके सामने पहली बार पोचमपल्ली के दलितों ने कुछ मांगा था। कहा था - हम हाड़ तोड़ मेहनत करेंगे। बस हमें अपनी बसर के लिए थोड़ी से जमीन मिल जाए।

विनोबा का दिल भीग गया। उन्होंने पूछा ,'कितनी जमीन चाहिए?'

दलितों ने कहा , अस्सी एकड़। चालीस एकड़ सूखी और चालीस एकड़ तरी जमीन।

विनोबा ने पूछा ,उस जमीन पर खेती करनी होगी। करोगे ?

उत्तर मिला, हां।

विनोबा ने वहां उपस्थित सारे गांववालों से पूछा - यदि सरकार इन दलितों को भूमि नहीं दे तो आप लोग मदद करने को तैयार हैं ? गांव के लोगों ने समवेत सुर में उत्तर दिया -हम सब इन भाइयों को भूमि देने के लिए तैयार हैं। विनोबा का चेहरा खिल गया। इतने में एक सज्जन खड़े हुए। उन्होंने कहा ,मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छानुसार मैं सौ एकड़ भूमि आपके माध्यम से इन भाइयों को भेंट करता हूं। मेरा नाम रामचंद्र रेड्डी है।

विनोबा को भरोसा न हुआ। उन्होंने रेड्डी से एक बार फिर अपना वचन दोहराने के लिए कहा। रेड्डी सचमुच गंभीर थे। उन्होंने वचन दो नहीं ,तीन बार दोहराया। फिर भी बाबा ने लोगों से कहा ,'यह भला मनुष्य आपके सामने है। अगर यह जमीन नहीं देगा तो ईश्वर का गुनहगार बनेगा लेकिन वह जमीन देगा तो हरिजनों पर यह जिम्मेदारी आएगी कि सारे के सारे प्रेमभाव से एक होकर उसे जोतें। अगर ऐसे सज्जन लोग हर गांव में मिलते हैं तो सारे मसले हल हो जाएंगे। आप यह जरूर समझ लें कि हिन्दुस्तान में श्रीमान लोग अपने हाथ में सारी जमीन नहीं रख पाएंगे।'

वह फकीर बाबा विनोबा पूरी रात सो नहीं सका। हिन्दुस्तान के सारे भूमिहीनों को भूमि देना हो तो पांच करोड़ एकड़ भूमि चाहिए। क्या यह चमत्कार हिन्दुस्तान में संभव है ? और बाबा की आंखें एक अज्ञात प्रेरणा से चमक उठीं। अगला दिन 19 अप्रैल 1951 था। बाबा तंगलपल्ली में थे। फूल लेकर स्वागत करने आए लोगों से विनोबा ने कहा , मुझे फूल नहीं चाहिए। मुझे मिट्टी दीजिए। मैं भूखा हूं। मुझे जमीन दीजिए। देखते ही देखते 90 एकड़ जमीन बाबा की झोली में आ गिरी। इसमें 50 एकड़ तो अकेले व्यंकट रेड्डी ने दी थी। बाबा का काम बन गया। बस यहां से भूदान आंदोलन की नींव पड़ गई।

बाबा विनोबा भावे ने महात्मा गांधी के सपने को साकार किया था। राष्ट्रपिता ने 1932 में गुरुजी से जेल में अपनी यह मंशा प्रकट की थी। बापू ने कहा था ,'अब भारत को स्वतंत्रता तो मिल गई। लेकिन अब किसानों और मजदूरों के पास अपनी जमीन होना चाहिए।'

इस दिशा में कदम उठाए जाते ,इससे पहले ही उनकी हत्या हो गई। राष्ट्रपिता का सपना अधूरा रह गया। उनके प्रिय शिष्य विनोबा भावे ने यह सपना साकार किया और एक तरह से गुरु दक्षिणा चुकाई। परिणाम यह निकला कि भूदान आंदोलन बिहार, बंगाल होते हुए देश के अनेक राज्यों तक पहुंचा। तेरह बरस में इस यज्ञ ने अपना असर दिखाया । इस प्रयोग में विनोबा भावे लगभग 58,741 किलोमीटर पैदल चले। उन्हें भूमिहीनों के लिए 44 लाख एकड़ जमीन प्राप्त हुई और लगभग 13 लाख भूमिहीन किसानों को निश्शुल्क बांट दी गई।

विनोबा भावे के शिष्य और स्वतंत्रता सेनानी चारुचंद्र भंडारी ने बांग्ला में भूदान यज्ञ पर पहली किताब लिखी। इस कृति - में भंडारी जी ने लिखा कि विनोबा भावे आजीवन सेवाव्रती संन्यासी, महात्मा गांधी के बड़े अनुयायी थे । वे महात्मा के ऐसे आध्यात्मिक उत्तराधिकारी थे,जिसने अपने पूर्वजों से प्राप्त संपत्ति में वृद्धि की। कहा भी जाता है कि शिष्य वही योग्य होता है जो गुरु को छोड़कर भी चल सकता है। विनोबा भावे ने वही किया।

जिस काम में सब लोगों का सहयोग प्राप्त होता है ,उसी को यज्ञ कहते हैं। जब देश पर कोई संकट आता है तो यज्ञ किया जाता है। अपने देश में आज संकट मौजूद है। मजदूर और मालिक का भेद है। करोड़ों लोगों के पास कोई साधन नहीं है। हरिजनों और दूसरों के बीच छुआछूत की विकराल खाई है। धर्मभेद के झगड़े भी मौजूद हैं। ऐसी हालत में देश को बचाने के लिए जब कोई यज्ञ किया जा रहा हो और वो कोई एक अकेला या पांच -पचास व्यक्ति करें तो उससे कुछ नहीं होगा। इस यज्ञ में हर नागरिक को अपना-अपना हिस्सा अर्पण करना पड़ता है। इस यज्ञ में जो अपना हिस्सा अर्पण नहीं करते ,वे देश द्रोही सिद्ध होते हैं। अगर प्रेम और अहिंसा का तरीका आजमाना चाहते हो तो इन जमीनों का मोह छोड़ दो। नहीं तो हिंसा का ऐसा जमाना आने वाला है कि उसमें सारी जमीनें और उस जमीन पर रहने वाले सारे प्राणी खत्म हो जाएंगे।

इस भूदान का एक व्यापक स्वरूप ग्रामदान के रूप में सामने आया। देश में सबसे पहला गांव मंगरौठ था। मुझे गर्व हासिल है कि मंगरौठ ग्राम की पूरी भूमि दान कराने वाले दीवान शत्रुघ्न सिंह से मैं घंटों बतियाया हूं। मंगरौठ मेरे पुश्तैनी कस्बे राठ से कुछ किलोमीटर दूर है। दीवान साब राठ में एक गांधी महाविद्यालय संचालित करते थे। उसमें मेरे दादाजी प्राध्यापक थे। इसलिए दीवान साब अकसर मेरे घर आया करते थे। उनसे हम गांधीजी, विनोबाजी ,भूदान और ग्रामदान की कहानियां सुना करते थे।

दीवान साब वैसे तो जमींदार थे लेकिन वे गरीबों और दलितों के हमदर्द थे। जब विनोबा जी की भूदान यात्रा राठ से गुजरी तो दीवान साब ने गांव के सारे जमीन मालिकों के दान पत्र उनके चरणों में रख दिए। वह 24 मई 1952 की तारीख थी। इसके बाद तो ग्रामदान करने की होड़ सी लग गई। हजारों गांव के लाखों लोगों ने ग्रामदान में अपना योगदान दिया। खेद है कि राजनीतिक स्वार्थों के चलते ग्रामदान के इस अद्भुत प्रयोग की हत्या हो गई।

आज जब भूदान आंदोलन का 75वां वर्ष प्रारंभ हो रहा है तो मुल्क एक बार फिर उन्हीं समस्याओं से दो चार हो रहा है ,जो आजादी के समय थीं। हम आधुनिकता के नाम पर आगे तो बढ़ रहे हैं, लेकिन अपनी समस्याओं से मुक्ति पाने का रास्ता हम नहीं खोज पाए। हम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और बाबा विनोबा भावे के प्रति कृतज्ञ नहीं ,बल्कि कृतघ्न हैं। क्या कोई राष्ट्र अपने पुरखों के साथ ऐसा सुलूक करता है?

विदेश पढ़ाई के लिए भारत से छात्रों के प्रवास में आई गिरावट

बीते एक दशक में भारतीय छात्रों का रुझान विदेशों में उच्च शिक्षा की ओर तीव्रता से बढ़ा था। हर वर्ष लाखों छात्र अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और यूरोप के अन्य देशों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा के लिए जा रहे थे। लेकिन वर्ष 2024-25 में इस प्रवृत्ति में अप्रत्याशित गिरावट देखी गई है। शिक्षा मंत्रालय, वीज़ा आंकड़ों और विश्वविद्यालयों के प्रवेश आँकड़ों के अनुसार इस वर्ष विदेश जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज़ की गई है।

1. अमेरिका जाने वाले छात्रों की संख्या में गिरावट

अमेरिका लंबे समय से भारतीय छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा देश रहा है। 2023 तक हर साल लगभग 2 लाख से अधिक छात्र अमेरिका का रुख करते थे। लेकिन 2024-25 में इसमें भी उल्लेखनीय गिरावट देखी गई। इसके मुख्य कारण हैं-

स्न-1 वीज़ा प्रक्रिया में कठोरता- इस वर्ष बड़ी संख्या में छात्रों को स्न-1 वीज़ा अस्वीकार किया गया। कई मामलों में स्पष्ट कारण भी नहीं बताए गए, जिससे छात्रों और अभिभावकों में असंतोष फैला।

॥-1B वीज़ा और ग्रीन कार्ड नीति में अनिश्चितता- शिक्षा पूरी करने के बाद अमेरिका में नौकरी और स्थायी निवास के अवसर अब पहले की तरह सुनिश्चित नहीं हैं। ॥-1B वीज़ा की लॉटरी प्रणाली, लम्बी प्रतीक्षा सूची और PR प्रक्रिया की जटिलता छात्रों के मन में संदेह पैदा कर रही है।

सुरक्षा संबंधी चिंताएँ- पिछले कुछ महीनों में अमेरिका में भारतीय छात्रों के साथ हुई हिंसक घटनाओं - जिनमें लूट, हमले और कुछ मौतें भी शामिल हैं - ने छात्रों और उनके परिवारों के मन में भय का माहौल पैदा किया है।

उच्च लागत और महंगाई- अमेरिका में शिक्षण शुल्क, रहने का खर्च, और मेडिकल इंश्योरेंस की कीमतों में भारी इज़ाफा हुआ है। डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट ने इसे और महँगा बना दिया है।

2. कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन की बदलती वीज़ा नीतियाँ

इन तीनों देशों ने हाल ही में अपनी वीज़ा नीतियों में कई बदलाव किए हैं जो भारतीय छात्रों के लिए हतोत्साहित करने वाले रहे हैं- कनाडा ने GIC राशि में वृद्धि कर दी है और छात्र वीज़ा में अतिरिक्त दस्तावेज़ी बाधाएँ जोड़ी हैं।

ऑस्ट्रेलिया में IELTS व अन्य अंग्रेज़ी परीक्षा की स्कोर सीमा को बढ़ा दिया गया है, जिससे कई छात्रों को दिक्कत हो रही है।ब्रिटेन में पोस्ट-स्टडी वर्क वीज़ा को सीमित किए जाने की चर्चा ने छात्रों को भ्रमित किया है।

3. अर्थव्यवस्था और विदेशी मुद्रा दरों का प्रभाव

विदेश में पढ़ाई का सबसे बड़ा खर्च विदेशी मुद्रा में होता है। रुपये के मुकाबले डॉलर, यूरो और पाउंड की मजबूती ने ट्यूशन फीस से लेकर हर खर्च को बढ़ा दिया है। इससे मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए अपने बच्चों को विदेश भेजना पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है।

4. भारत में बेहतर शैक्षणिक विकल्पों की उपलब्धता

अब भारत में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा देने वाले संस्थानों की संख्या बढ़ी है।

IITs, IIMs, IISc के साथ-साथ Ashoka University, Shiv Nadar, O.P. Jindal जैसे निजी विश्वविद्यालयों ने गुणवत्ता और वैश्विक सहयोग के माध्यम से छात्रों को भारत में ही उत्कृष्ट शिक्षा का विकल्प दिया है।कुछ अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय भारत में अपने कैंपस स्थापित करने की प्रक्रिया में हैं, जिससे छात्रों को 'विदेश जैसा अनुभव' घर पर ही मिल सकता है।

5. राजनीतिक और सामाजिक अस्थिरता

कई देशों में बढ़ती अप्रवासी विरोधी मानसिकता, नस्लीय घटनाएँ और राजनीतिक तनाव छात्रों को हतोत्साहित कर रहे हैं। कनाडा और भारत के बीच हालिया राजनयिक तनाव का असर सीधा छात्र वीज़ा पर पड़ा है। अमेरिका और यूरोप में कट्टरपंथ, बंदूक हिंसा, और नस्लीय टिप्पणियाँ छात्रों को मानसिक रूप से असहज करती हैं।

6. पढ़ाई के बाद रोजगार को लेकर अनिश्चितता-

विदेशों में स्नातक या मास्टर्स डिग्री के बाद नौकरी पाने में अब पहले जितनी आसानी नहीं रही। कई देशों में कंपनियाँ अब स्थानीय नागरिकों को वरीयता दे रही हैं। वीज़ा एक्सटेंशन और क्क्र के लिए आवश्यकताएँ सख्त हो गई हैं।

7. ऑनलाइन और हाइब्रिड शिक्षा का विकल्प -

COVID-19 के बाद ऑनलाइन शिक्षा की गुणवत्ता और स्वीकार्यता में जबरदस्त सुधार आया है। कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय अब हाइब्रिड या पूरी तरह ऑनलाइन डिग्री कार्यक्रम चला रहे हैं। इससे छात्रों को विदेश गए बिना ही अंतरराष्ट्रीय डिग्री सस्ती दर पर मिल रही है।

भारत के लिये अवसर -

वर्ष 2024-25 में भारत से विदेश पढ़ाई के लिए जाने वाले छात्रों की संख्या में आई गिरावट सिर्फ एक आँकड़ा नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों और भारतीय समाज की नई सोच का प्रतीक है। छात्र अब अधिक व्यावहारिक, दीर्घकालिक और सुरक्षित विकल्पों को चुन रहे हैं। सरकार, विश्वविद्यालयों और विदेश नीति निर्माताओं को इस बदलाव को समझते हुए छात्रों की आकांक्षाओं के अनुरूप नीतियाँ बनानी होंगी। भारत के पास अब अवसर है कि वह खुद को वैश्विक शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित करे और अपने छात्रों को 'ग्लोबल' बनने के लिए देश के भीतर ही बेहतर मंच उपलब्ध कराए।

(राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

देश की संवैधानिक स्थिति को लेकर नई बहस का जन्म

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कुछ ऐसी टिप्पणियां की हैं, जो भारत की संवैधानिक स्थिति को लेकर एक नई बहस को जन्म दे रही हैं। उनके मुताबिक भारत की न्यायपालिका, खासकर के सुप्रीम कोर्ट अब मात्र न्याय करने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि उसने अपने को 'सुपर पार्लियामेंट' की भूमिका में स्थापित करने की कोशिश की है। धनखड़ ने ये बातें राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम के समापन समारोह में कही हैं। लेकिन, उन्होंने जो कुछ कहा है उसने सियासी गलियारों में ही नहीं, देश के आम लोगों में भी हलचल मचा दी है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कुछ जज कानून बनाते हैं, कार्यपालिका की भूमिका निभाते हैं और सुपर पार्लियामेंट की तरह बर्ताव करते हैं। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 142 को न्यायपालिका के लिए '24 घंटे उपलब्ध परमाणु मिसाइल' बता दिया है। यह एक ऐसा बयान है, वह जितना तीखा है, उतना ही प्रतीकात्मक भी महसूस हो रहा है। दरअसल, यह पूरा विवाद सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले से पैदा हुआ है, जिसमें उसने राष्ट्रपति को एक समय-सीमा के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया है। धनखड़ ने पूछा है,'राष्ट्रपति, जो भारत का सर्वोच्च संवैधानिक पद है, उसे आदेश देना कि वह कब और कैसे फैसला ले, क्या यह लोकतंत्र के संतुलन को बिगाड़ने वाला नहीं है?' उन्होंने सवाल किया कि 'अगर राष्ट्रपति तय समय में निर्णय नहीं लेते, तो यह कानून बन जाता है, यह कैसी व्यवस्था है?' धनखड़ की बातों से असहमति जताई जा सकती है, लेकिन उन्हें पूरी तरह से खारिज कर देना कठिन है। एक संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति जब सार्वजनिक मंच से न्यायपालिका की भूमिका पर सवाल उठाता है, तो वह सिर्फ व्यक्तिगत राय नहीं होती, वह लोकतांत्रिक संस्थाओं के बीच शक्ति संतुलन की जमीन पर बहस का न्योता देने जैसी होती है। भारत का संविधान स्पष्ट रूप से तीन स्तंभों- विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का विभाजन करता है और साथ ही साथ इसमें संतुलन की भी व्यवस्था कई गई है। लेकिन, हकीकत यह है कि पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका की भूमिका पर यह सवाल जरूर उठने लगे हैं कि क्या वह अपने दायरे से बाहर जा रही है? तमिलनाडु के राज्यपाल बनाम राज्य सरकार मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गवर्नर आरएन रवि के फैसलों को लेकर समय-सीमा तय की, वहीं हाल ही में वक्फ कानून पर हुई सुनवाई के दौरान ऐसी टिप्पणियां कीं, जो संसद से लंबी बहस और मंथन से बनाए गए कानूनों की वैधता पर सवाल उठाने जैसी प्रतीत होती हैं। यह वही संसद है, जिसे देश की जनता ने चुना है और लोकतांत्रिक प्रणाली वाले देश में उसकी वैधता पर एक झटके में सवाल उठा देना लोकतंत्र की नींव को भी हिला सकता है।

उपराष्ट्रपति ने दिल्ली हाईकोर्ट के एक जज के आवास पर जली हुई नकदी के मामले में एफआईआर न होने पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अगर यही मामला किसी आम नागरिक से जुड़ा होता, तो जांच एजेंसियां रातों-रात कार्रवाई कर चुकी होतीं। उन्होंने पूछा, क्या अब 'कानून से परे' भी एक विशेष वर्ग बन गया है? अगर संवेदनशील होकर देखा जाए तो यह मात्र जगदीप धनकड़ के सवाल नहीं हैं। देश के नागरिकों की एक बड़ी तादाद उनकी बातों से इत्तेफाक रखती है। खासकर इसलिए क्योंकि सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया आम जनता की नजर में कभी पारदर्शी नहीं रही है। कॉलेजियम व्यवस्था को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन न्यायपालिका की ओर से सुधार का कोई ठोस प्रयास नजर नहीं आता। जब जवाबदेही की व्यवस्था केवल विधायिका और कार्यपालिका तक सीमित रह जाए और न्यायपालिका अपने साथ ही लोकतंत्र के अन्य आधार स्तंभों के फैसलों की भी अंतिम और स्वंभू व्याख्याता बन जाए, तो संसदीय प्रणाली वाले देश की संवैधानिक व्यवस्था पूरी तरह से उलझ सकती है।

मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी की खराब कार्यशैली एवं शिथिल पर्यवेक्षण पर सख्त नाराजगी व्यक्त की

जिलाधिकारी ने की गोआश्रय स्थलों एवं पशुधन के संबंध में समीक्षा बैठक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में अस्थाई गौआश्रय स्थलों की स्थापना, भूसा क्रय, गौआश्रय स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे, गौआश्रय स्थलों का निरीक्षण, क्रियान्वयन, संचालन एवं प्रबंधन के संबंध में बैठक आहूत की गई। बैठक में डीएम ने सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि सोमवार तक सभी गो आश्रय स्थलों पर सीसीटीवी कैमरा लगवाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को भूसा खरीद के लिए तत्काल टैंडर करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए कि खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी एवं इंजीनियर के साथ चिन्हित स्थलों पर जाकर कल दोपहर तक गो आश्रय स्थलों के निर्माण हेतु नक्शा बनाकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जिन स्थलों पर निर्माण कार्य चल रहा है उसे शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी की खराब कार्यशैली एवं शिथिल पर्यवेक्षण पर सख्त

नाराजगी व्यक्त की। डीएम मनीष बंसल ने निर्देशित किया कि जनपद में नैपिय घास की बुआई को प्रोत्साहित किया जाए और चारागाह की भूमि पर नेपियर घास की बुवाई की जाए। उन्होंने कहा कि संरक्षित पशुओं की चिकित्सा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि निराश्रित गौवंश संरक्षण प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता क्षम्य न होगी। गौवशों के संरक्षण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि निरीक्षण हेतु नामित जनपद स्तरीय अधिकारी निरंतर निरीक्षण करें। गो संरक्षण अभियान के तहत गठित टीम अपनी सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अधिक से अधिक गोवंश का संरक्षण सुनिश्चित कराएं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ0 एम0पी0सिंह गौर सहित समस्त खण्ड विकास अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी उपस्थित रहे।

सहारनपुर में एक बच्चें की कार लॉक होने के कारण दम घुटने से हुई मौत

बच्चा खेल-खेल में कार में जाकर बैठ गया था

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, सहारनपुर में एक बच्चे की कार लॉक होने के कारण दम घुटने से मौत हो गई। बच्चा खेल-खेल में कार में जाकर बैठ गया था। सहारनपुर जनपद के छुटमलपुर क्षेत्र में खेल-खेल में कार में बैठे कक्षा दो में पढ़ने वाले फतेहपुर थाने के गांव गंगाली निवासी अंश (10) पुत्र सुनील की गाड़ी लाक होने पर दम घुटने से तड़फ-तड़फ कर मौत हो गई। दम तोड़ने से पहले बच्चे ने बाहर निकलने का काफी प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हो सका। अंश गांव के ही जनहित पब्लिक स्कूल में पढ़ता था। वह स्कूल से आने के बाद खाना खाकर घर से खेलने निकल गया। दो दिन बाद उसकी बड़ी बहन को देखने रिश्ते वाले आने थे जिसकी तैयारियों में परिवार की महिलाएं लगी हुई थी। जब अंश दिखाई नहीं दिया तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरु की। अंश के काफी देर तक न मिलने पर थाने में सूचना दी गई। तलाशी अभियान के दौरान अंश बाहर खड़ी कार में मृत हालत में पड़ा मिला। उसका शरीर अकड़ चुका था। इसके बाद फारेंसिक टीम भी बुलाई गई। जांच के बाद शव को अग्रिम कार्रवाई के लिए भेजा गया है। बताया जा रहा है कि अंश खाना खाकर निकलने के बाद कार में बैठ गया और गाड़ी लॉक हो गई। तेज धूप थी। उसने बाहर निकलने का काफी प्रयाास किया लेकिन सफल नहीं हो सका। अंश दो बहनों का इकलौता भाई था। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर है।

दिल्ली से बांग्लादेशी रोहगियों को हटाया जाए -स्वामी स्वदेशा नन्द गिरि महाराज

दिल्ली में मुख्यमंत्री से मिले संत समाज

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ

बालाघाट, अंतर्राष्ट्रीय सन्त बौद्धिक मंच के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी स्वदेशा ब्रह्मानंद गिरि महाराज एवं अंतर्राष्ट्रीय संत बौद्धिक मंच के अंतर्राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एवं अंतर्राष्ट्रीय सनातनी अखाड़ा के महामण्डलेश्वर श्री श्री 1008 श्री बालकानन्द गिरि महाराज के नेतृत्व में आज दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से उनके निवास पर भेट कर पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौपा गया। ज्ञापन में दिल्ली में अवैध तरीके से बसे बंगला देशीयों को दिल्ली से हटाने,यमुना की साफ - सफाई का काम साधु - संतों को दिये जाने,दिल्ली में यमुना से दस किलोमीटर के अन्तराल में स्थापित फैक्ट्रियों को हटाये जाने,साधु - संतों को दिल्ली में ठहरने के लिए सरकारी आवास आबंटन किए जाने,दिल्ली में मुगल बादशाहों के नाम से रखे गए सड़कों एवं इमारतों से नाम हटाकर हिन्दू देश भक्त तथा महापुरुषों के नाम से रखे जाने , दिल्ली में सार्वजनिक स्थलों पर

अवैध रूप से बनाए गए मजारों को हटाया जाने ऐसे अन्य मांगों को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को ज्ञापन सौंपा गया । और ज्ञापन में अंतर्राष्ट्रीय संत बौद्धिक मंच के साधु संतों ने सरकार को चेतावनी देते हुवे लिखा है कि यदि साधु समाज की मांगों को पूरा नही किया जाता है तो पूरे देश के साधु समाज एक होकर दिल्ली में उग्र आन्दोलन करने को मजबूर होगा जिसकी जवाबदारी दिल्ली सरकार की होगी। ज्ञापन देने स्वामी स्वदेशा नन्द ब्रह्मानंद गिरि महाराज,श्री श्री 1008 श्री बालकानन्द गिरि महाराज,विनोद नाथ योगी महाराज,सनातनी साध्वी माधवी झा,विष्णु सकट,यमराज खरात,साध्वी पिंकेस्वरी दुबे, राकेश झा,हनुमत ताकतोड़े , उमेश सावले,संतोष कासार आदि अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कटनी में शिक्षक की करतूत ने किया भरोसे को तार-तार

बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ पर सख्त कार्रवाई

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी, जिस शिक्षक के कंधों पर नन्हे भविष्य संवारने की जिम्मेदारी थी, वही जब मासूमों को गुमराही के रास्ते पर ले जाने लगे, तो समाज का हिल जाना लाजमी है। कटनी जिले से आई यह घटना पूरे प्रदेश को शर्मसार कर गई। कटनी जिले के शासकीय प्राथमिक शाला, पुरानी बस्ती खिरहनी में पदस्थ शिक्षक लाल नवीन प्रताप सिंह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसमें वे स्कूली बच्चों के साथ बैठकर शराब पीते और उन्हें भी शराब पीने के लिए उकसाते नजर आए। मासूम बच्चों के हाथों में किताबों के बजाय शराब के गिलास देखना हर किसी के दिल को चीर गया।

जैसे ही यह वीडियो प्रशासन तक पहुंचा, कटनी कलेक्टर दिलीप यादव ने बिना देरी किए मामले का संज्ञान लिया और शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।उल्लेखनीय है कि उक्त शिक्षक, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालक बरही के संकुल केंद्र के अंतर्गत कार्यरत थे। बच्चों की मासूमियत को जहर पिलाने वाले इस कृत्य ने पूरे क्षेत्र में आक्रोश की लहर फैला दी है। प्रशासन ने सख्त संदेश दिया है कि शिक्षा के मंदिरों में इस तरह की हरकतें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच जारी है और शिक्षक पर आगे और भी कठोर कार्रवाई की संभावनाएं जताई जा रही हैं। भरोसे के इन पहरेदारों की ऐसी करतूतें न केवल बच्चों के भविष्य को खतरे में डालती हैं, बल्कि समाज की नींव को भी कमजोर करती हैं। अब देखने वाली बात होगी कि इस घटना के बाद प्रशासन और शिक्षा विभाग किस तरह से भविष्य में ऐसी घटनाओं पर लगाम लगाते हैं।

कोतमा रेलवे स्टेशन में लापरवाही चरम पर

प्लेटफार्म पर कचरे में आग लगाना बन सकता है बड़ी दुर्घटना का कारण

कोतमा, रेलवे स्टेशन में लगातार कई तरह की लापरवाही देखने को मिलती है उसी तर्ज में एक बार फिर एक बड़ी लापरवाही देखने को मिली की प्लेटफार्म नंबर एक में झाड़ू लगाने के बाद एकत्र कचरे में प्लेटफार्म एक में ही आग लगा दी जाती है जिससे कि पूरे प्लेटफार्म में धुंआ ही धुंआ हो जाता है और आने जाने वाले यात्रियों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है इस संबंध में पूर्व में भी कई बार गतिविधियां हुई है उनकी जानकारी स्टेशन मास्टर को दी जाती रही है लेकिन उसके बाद लगातार इस तरह की लापरवाही किया जाना यह बताता है कि स्टेशन मास्टर के द्वारा सफाई कर्मचारियों को सही निर्देश नहीं दिए जा रहे हैं या यह माना जाए की स्टेशन मास्टर के द्वारा दिए जा रहे निर्देशों को सफाई कर्मचारी नहीं मान रहे हैं इस तरह से सफाई कर्मचारियों के द्वारा कचरा के ढेर को प्लेटफार्म में ही एकत्रित करना फिर उसमें आग लगाना कहीं ना कहीं बड़ी दुर्घटना को अंजाम दे सकता है। सफाई ठेकेदार पर कार्यवाही की है आवश्यकता जिस तरह से लगातार लापरवाही बरती जा रही है साफ सफाई में और साफ सफाई के बाद एकत्र कचरे में आग लगा दी जाती है तो इसके पूर्ण रूप से जिम्मेवार सफाई ठेकेदार है, अगर समय पर इस तरह की लापरवाही को नहीं रोका गया तो किसी दिन यह लापरवाही बड़ी घटना को अंजाम देगी।

मसीही समाज ने प्रभु यीशु मसीह के बलिदान को याद किया

गुड फ्राइडे पर निकाला गया जुलूस एवं झांकियाँ, रविवार को मनाया जायेगा ईस्टर पर्व

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ

शहडोल, राष्ट्रीय ईसाई महासंघ (इंडिया) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष क्रिस्टी अब्राहम, शहडोल जिला सचिव किस्टोफर बास्टिन ने प्रभु यीशु मसीह के बलिदान की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि पवित्र शुक्रवार को यीशु मसीह का स्मरण श्रद्धा भक्ति के साथ याद किया जाता है। भक्तगण आज के दिन यीशु मसीह के पीड़ा सहन तथा क्रूस मरण के द्रिव्य रहस्यों के बारे में ध्यान मनन करता है।

विश्व के ईसाई धर्मवलम्बी सलिब की वंदना करते है विश्व के ईसाई धर्मवलम्बी उस सलीब की वंदना करता है जिसने उन्हें मुक्ति दिलाई। दो हजार वर्ष पूर्व एक शुक्रवार को कलवरी के सलीब पर यिशु मसीह का मरण हुआ था, जिसके जरिये मानव को मुक्ति मिली तथा मानव प्रेम से प्रेरित होकर उनको अपने पापों की दास्ता से स्वतंत्रता दिलाने तथा ईश्वरत्व से सम्पर्क कराने के लिये यिशु मसीह ने अपने जीवन को सलीब पर अर्पित किया। यिशु मसीह ने अपना लहू मानव जाति के उद्धार के लिये बहाया और हमारा उद्धार पाप और मृत्यु के बंधनों से किया।

विश्व के ईसाई धर्मवलम्बी 7 अनमोल वाणी पर मनन करते है क्रूस पर अपने अंतिम समय में यिशु मसीह ने कहे थे। (1) हे पिता इन्हें क्षमा कर ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं (लूका 23.34) (2) तू आज ही मेरे साथ स्वर्ग लोक में होगा। (डाकुओं से) (लूका 23.43) (3) हे नारी देख यह तेरा पुत्र और यह तेरी माता है। (यहोना 19.26) (4) हे परमेश्वर तूने मुझे क्यों छोड़ दिया (मत्ती 27.46) (5) मैं मैं प्यासा हैं। हूँ (यहोनना 19.28) (6) पूरा हुआ (यहोना) 19.30) (7) हे पिता मैं अपनी आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूँ (लूका 23.46) इन्हीं 7 वाणियों को भक्तगण मनन करते हुए वेदना-यातनायें व दुख जो यीशु मसीह ने सहे थे अपने मसीही जीवन में लाते हैं।

जुलूस व झाकियाँ निकाली गई होली स्पिरिट कैथोलिक चर्च शहडोल से दरभंगा चौक इंदिरा चौक, गांधी चौक, जैन मंदिर, परमट, रेलवे स्टेशन से होते हुए दरभंगा चौक वापस कैथोलिक चर्च में समाप्त हुआ। उक्त झांकियों में प्रभु यिशु टैरेन्स वास्टिन, सैनिक क्रिस्टी अब्राहम, दीपक डेविड, जॉर्ज पॉल, नेल्सन फर्नांडिस, जेम्स एंथोनी, विजय कुजूर, पंकज तिग्गा, अंकित जॉन खलखो, जॉन केरकेट्टा, वैभव परस्ते। वही सिरनी सिमोन, सजी मैथ्यू, माता मरियम मारजोरी रॉड्रिक्स, वेरोनिका, मेरी मेगदलीना, यारूस्लेम की स्त्रियां बने थे।

इस अवसर पर मुख्य रूप से ये रहे शामिल फादर जगन राज, रेव्हे, जे.एस. मैथ्यूज, राईट रेवरेन्ट बिशप एस. के. आशावान, फादर जॉन सुरेंद्र, रेव्ह के वाणी, डॉ. शिफाली बारिया, रेव्ह, अल्बर्ट स्टीफेन, रेव्ह एस. के. सैमुअल, पास्टर अमित रावत, पा. सर्वेश गुप्ता, पा. देवसिंह, पा. सागर, पा. मनबोध, पा. गया, पा. मुकेश, पा. जी.पी. मोंगरे, पा. लक्षपत, रवि सिंह, अलबर्ट बार्टन, सिरिल वार्टन, क्रिस्टोफर वास्टिन, क्लीफोर्ड, अभिषेक आइजक, रॉकी, सुमन कुजूर, हेमंत आइजक, श्रीमती ब्रेनाडेट लॉरेंस जॉन अब्राहम, श्रीमती संध्या किरण कुजूर, श्रीमती सरोज, जैकलिन अब्राहम, क्रिस्टी अब्राहम, सजी मैथयू क्रिस्टोफर एक्का, हरमन लकड़ा, अलविन पीटर, के साथ संभाग के सभी फादर, पास्टर, प्रचारक धर्म बहनें, बच्चे महिलायें, बुजुर्ग उपस्थित रहे।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही तहसीलदार

नायब तहसीलदार को नोटिस कमिश्नर ने की कार्यवाही

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ

शहडोल, कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने राजस्व प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले शहडोल संभाग के तहसीलदारो, नायब तहसीलदारो को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जिन तहसीलदार, नायब तहसीलदार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया उनमें तहसीलदार अनूपपुर, नायब तहसीलदार कोतमा वृत्त, आमडाड नायब तहसीलदार, तहसील पुष्पराजगढ़, व्रत गिरारी, ना. तह. तहसील पुष्पराजगढ़ व्रत पसान,तहसीलदार तहसील पुष्पराजगढ़, नायब तहसीलदार तहसील ब्यौहारी व्रत बुढ़वा, तहसीलदार तहसील कोतमा, नायब तहसीलदार तहसील पुष्पराजगढ़ व्रत दामेहड़ी, तहसीलदार तहसील जैतहरी,नायब तहसीलदार तहसील जैतपुर वृत्त बिजुरी के नाम शामिल है।

गौरतलब है कि 16 अप्रैल को शहडोल संभाग के आयुक्त कार्यालय में कमिश्नर श्रीमति सुरभि गुप्ता की अध्यक्षता में कमिश्नर कलेक्टर्स बैठक का आयोजन किया था जिसमें राजस्व के साथ साथ अन्य विभागों की समीक्षा की गई थी।

अनूपपुर, बिजुरी में झोलाछाप डॉक्टर के इलाज से नगरपालिका कर्मचारी चंदू प्रजापति की मौत

कोतमा, मध्य प्रदेश के मंत्री दिलीप जायसवाल के गृह क्षेत्र बिजुरी में इन दिनों स्वास्थ्य विभाग की लचर व्यवस्था के कारण लगातार मौत का तांडव जारी है बताया जाता है कि अभी हाल ही में बिजुरी से 16 किलोमीटर दूर कोतमा में झोलाछाप डॉक्टर के गलत इलाज से वन विभाग में पदस्थ मनोज उपाध्याय की मौत हुई थी वहीं चांदसी क्लीनिक में भूषण गुप्ता की गलत इलाज के कारण मौत हो गई थी,जिसको लेकर समाचार पत्रों में प्रकाशन के बाद जिला प्रशासन हरकत में आकर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर आरके वर्मा को पद से हटाकर जिला चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी के पद पर डॉ एस सी राय को नियुक्त किया किंतु इसके बाद भी पूरे जिले में झोलाछाप डॉक्टरों का आतंक कायम है, मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री के पद पर पदस्थ दिलीप जायसवाल क्षेत्रीय विधायक कोतमा के गृह क्षेत्र बिजुरी में नगर पालिका कर्मचारी चंदू प्रजापति की झोलाछाप डॉक्टर द्वारा इलाज करने से मौत हो गई जिसको लेकर पूरा नगर शोक में डूबा हुआ है ज्ञात रहे की बिजुरी के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर के पास बिना अनुमति के इंद्रपाल द्वारा लोगों का इलाज किया जा रहा है जो कि शासन के नियम के विरुद्ध है बताया जाता है कि इंद्रपाल द्वारा लंबे समय से पैसे के लालच में जीवन के साथ खिलवाड़ कर बिना डिग्री के इलाज कर रहा है जिससे न जाने कितने लोगों की जान ले चुका है अभी भी लगातार मंत्री के विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार तो नहीं हो रहा है किंतु झोला छाप डॉक्टरों का दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी नगर में होते जा रहा है चंदू की मौत से लोगों में मंत्री के प्रति रोष व्याप्त है बताया जाता है कि स्वास्थ्य विभाग को सुधारने के लिए दिलीप जायसवाल को कोतमा का विधायक बनाया गया था किंतु उनके मंत्री बनने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग में किसी प्रकार का सुधार न होकर झोलाछाप डॉक्टरों का आतंक व्याप्त है स्थानीय जनों ने मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री मोहन यादव से मांग की है कि अगर अनूपपुर जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था पर सुधार नहीं किया गया तो जन आंदोलन की जाएगी साथ ही गली कूचे में स्थापित बिना अनुमति के जो क्लिनिक संचालित हैं साथ ही पैथोलॉजी संचालित हैं उनके विरुद्ध ठोस कार्यवाही न होने के कारण लोग सस्ता इलाज के कारण

झोलाछाप डॉक्टरों के शिकार बन जाते हैं और अपना जीवन गवा देते हैं।

डॉ मनोज सिंह ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर द्वारा इंद्रपाल के क्लीनिक को सील कर दिया गया है एवं तीन दिवस का नोटिस जारी किया गया है। नोटिस के जवाब उपरांत कार्रवाई की जाएगी।

डॉ एस सी राय जिला स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी अनूपपुर

नगर पालिका कर्मचारी मृतक चंदू प्रजापति के अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी एवं अन्य चीजों की व्यवस्था की गई है आगे भी उनके परिजनों को सहायता नगर पालिका द्वारा की जाएगी ।

सहबीन पनिका
अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बिजुरी

इंद्रपाल का क्लीनिक सील करके तीन दिवस का कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है।

डॉ मनोज सिंह
ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर कोतमा

वर्ष 2025 में थाना जोबट क्षैत्रान्तर्गत अबतक की अवैध शराब के विरूद्ध जिले की सबसे बडी कार्यवाही

1500 पेटी शराब कीमती 85 लाख 25 हजार रूपये की जप्त 01 आरोपी गिरफ्तार एवं 01 वाहन कीमती 25 लाख रूपये का जप्त किया गया

अलीराजपुर –पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास ने बताया कि थाना जोबट क्षैत्रान्तर्गत दिनांक 17.04.2025 की शाम थाना प्रभारी जोबट निरीक्षक विजय वास्कले को कस्बा/देहात भ्रमण के दौरान मुखबीर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि बाग रोड जिला धार तरफ से जोबट की ओर अवैध शराब परिवहन संबंधी वाहन आ रहा है, तभी अनुविभागीय अधिकारी पुलिस जोबट नीरज नामदेव के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी जोबट एवं उनकी अधीनस्थ टीम के द्वारा मुखबीर द्वारा बताये मार्ग पर पहुंचकर अलीराजपुर जिले की सीमा पर बने पुलिस सहायता केन्द्र पर वाहन की घेराबंदी हेतु नाकेबंदी की गई, तभी पुलिस टीम को धार जिले के बाग की तरफ से जोबट की ओर ऑयशर वाहन आते हुये दिखाई दिया। पुलिस टीम के द्वारा ऑयशर वाहन क्रमांक MP09DP8603 को रोककर वाहन चालक का नाम/पता पूछते अपना नाम संजय पिता सोहन पंवार 27 साल, निवासी 122 मेढकवास, देपालपुर जिला इंदौर का होना बताया। ऑयशर वाहन की तिरपाल हटाकर वाहन की तलाशी लेने पर वाहन में गोवा व्हिस्की कंपनी की बडी मात्रा मे पेटीयां भरी हुई थी, जिसके संबंध में वाहन चालक संजय से पूछताछ करते उसके द्वारा कोई संतोषप्रद जवाब नही दिया गया।

पुलिस टीम के द्वारा घटनास्थल से ऑयशर वाहन मय अवैध शराब के अपने कब्जे मे लेते हुये आरोपी को पुलिस अभिरक्षा मे लेकर थाना जोबट लाया गया व वाहन से पेटीयां उतारकर गिनती की गई। ऑयशर वाहन क्रमांक MP09DP8603 मे 1500 पेटी गोवा व्हिस्की 13500 लीटर कीमती 85 लाख 25 हजार एवं अवैध शराब परिवहन में प्रयुक्त वाहन कीमती 25 लाख रूपये का विधिवत जप्त करते हुये, वाहन चालक संजय पिता सोहन पंवार 27 साल, निवासी 122 मेढकवास, देपालपुर जिला इंदौर को गिरफ्तार कर थाना जोबट मे अपराध क्रमांक 138/2025, धारा 34(2),36, 46 आब. एक्ट का पंजीबद्ध कर अनुसंधान में लिया गया।

पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने बताया कि वर्ष 2025 में अवैध शराब के विरूद्ध अलीराजपुर पुलिस की अबतक की सबसे बडी कार्यवाही जोबट क्षैत्रान्तर्गत हुई है। अलीराजपुर पुलिस के द्वारा अवैध शराब के विरूद्ध अलीराजपुर की लगातार निगाह बनी होकर लगातार कार्यवाही की जा रही है। जिले मे अबतक कुल 422 प्रकरणों में 32098 लीटर अवैध शराब कीमती 1 करोड 40 लाख रूपये की जप्त की जा चुकी है तथा अवैध शराब परिवहन में करीबन 1 करोड रूपये से अधिक के 09 वाहन भी जप्त किये गये हैं। थाना जोबट क्षैत्रान्तर्गत की गई कार्यवाही मे थाना प्रभारी निरीक्षक विजय वास्कले, उप निरीक्षक रविन्द्र डांगी, उप निरीक्षक गोविन्द कटारे, आर मनीष चरपोटा, आर गजेन्द्र निंगवाल, आर चैनसिंह एवं आर रवि निनामा का सराहनीय योगदान रहा है।

भूमि के बदले किसानों को नहीं दी गई नौकरी धोखे में रखकर आउटसोर्सिंग से काम कराया जा रहा है

मामला जेएमएस माइनिंग प्रा.लिमटेड उरतन नॉर्थ भूमिगत कोल माइंस परियोजना का

सुशिल सोनी । सिटी चीफ

कोतमा, किसानो की भूमि विकास के नाम पर लेकर किसानों के आश्रितों को आज तक नौकरी नहीं दी गई बल्कि दिखावे के लिए आउटसोर्सिंग काम में रखकर दैनिक मजदूरी दी जा रही है जिसको लेकर किसानों के आश्रित मजदूरों ने दो बार अपनी मांगों को रखकर हड़ताल किया किंतु नतीजा कुछ भी न निकलने से किसान के युवा बेरोजगार अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे हैं, मामला जेएमएस उरतन नॉर्थ भूमिगत कोल माइंस परियोजना एवं ठोड़हा कोल माइंस का मामला बताया जाता है कि कोयला उत्खनन के लिए किसानों से भूमि अधिग्रहण कर कोयला उत्पादन के लिए कार्य जारी है किसानों से भूमि के बदले मुआवजा के साथ नौकरी दिए जाने का वादा किया गया था जिसमें बीते 2 साल में आज तक नौकरी उपलब्ध नहीं कराया गया जिससे किसान ठगे से महसूस कर रहे हैं किसानों के आश्रितों ने बताया कि नौकरी के नाम पर हमें कंपनी में आउटसोर्सिंग से काम कराया जा रहा है जिसका मजदूरी हमें दिहाड़ी के रूप से दी जा रही

है जिस संबंध में कई पर विधानसभा कोतमा के विधायक एवं मध्य प्रदेश के मंत्री दिलीप जायसवाल से गुहार लगाया गया किंतु किसानों का पीड़ा ना सुनने के कारण कंपनी के अधिकारियों के हौसले बुलंद है और किसानों के आश्रितों को आज तक नौकरी प्रदान नहीं की गई बल्कि दिहाड़ी मजदूर के नाम पर रखा हुआ है और मजदूरी दे रहे हैं देश के विकास के लिए किसान अपनी उपज भूमि को किसानों ने सरकार के कहने पर कंपनी को सौंप दिया जिसके बदले उन्हें मुआवजा मिला साथ ही नौकरी का वादा था जो कि आज तक पूरा नहीं हुआ जिसको लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव से मांग की गई है कि आदिवासी किसानों के भूमि अधिग्रहण के बदले नौकरी प्रदान कर कोल इंडिया के तहत वेतन एवं अन्य सुविधाएं दिए जाएं।

कई बार फोन किया गया फोन उठाने पर अधिकारी बोला मैं बैठक में व्यस्त हूं।

संजय कहरा
उप क्षेत्रीय प्रबंधक
जेएमएस उरतन नॉर्थ भूमिगत कोल माइंस परियोजना

अचानक लगी आग से डेहरीपूरा के चार घर जलकर खाक

पूर्व सरपंच दुदा सिंह जामोद के घर लगी आग ग्रामीणों द्वारा आग बुझाने के प्रयास

बाग–धार जिले के कुक्षी तहसील के बाग थाना अंतर्गत डेहरीपूरा में पूर्व सरपंच के घर लगभग 2.3. बजे के दरमियान अचानक आग लग गई आग लगने से घर में रखा सामान जलकर खाक हुआ आग ने देखते ही देखते अन्य तीन घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों की मदद से अन्य तीन घरों के सामान को बहार निकालने में की जा रही मदद मगर आग की आंच से हर कोई परेशान पुलिस ने मौके पर पहुंचकर (फायर ब्रिगेड) अग्नि शामक वाहन को सूचना दी मगर जब तक आग ने अपना रौद्र रुप दिखाते हुए अन्य घरों को चपेट में लिया तेज धूप और हवा के कारण आग लगातार बढ़ती जा रही थी पुलिस ने हालात को देखते हुए अन्य घरों से सामान निकलवाना शुरू किया पुलिस ओर ग्रामीणों की मदद से सभी की जान समय रहते बचा ली गई मगर घर नहीं बचा सके।

आमजनो से एक अपील हम अपने समाचार पत्र के माध्यम से जनता से अपील निवेदन करते है कि इस भयानक गर्मी में राह चलते बीड़ी सिगरेट का उपयोग ना करे और शादियों में भी फायर फटाखों का भी उपयोग ना करे इसके कारण किसी का घर बर्बाद हो सकता है और किसी की जान भी जा सकती है हम अपनी खुशी के कारण दूसरे का घर ना जलाए।

चरी वन क्षेत्र में अवैध रूप से मिट्टी खनन कर रही जेसीबी को वन विभाग ने किया जब्त,प्रकरण दर्ज

धरियावद–वन क्षेत्र में अवैध खनन की रोकथाम को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत हरिकिशन सारस्वत उपवन संरक्षक प्रतापगढ़,दिलीप सिंह गोंड सहायक वन संरक्षक बांसी के निर्देशन में क्षेत्रीय वन अधिकारी रामलाल भील के नेतृत्व में रेंज धरियावद अधीन वन क्षेत्र में स्टाफ को गश्त करने के निर्देश दिए गए। जिसमें 17 अप्रैल 2025 को शाम को मुखबिर द्वारा वन क्षेत्र चरी में अवैध खनन की सूचना मिली। जिस पर वन नाका भनावता स्टाफ मौके पर वनखंड चरी नामी जगह रांतीकांकर पहुंचा तो एक JCB बुलडोजर मशीन वन क्षेत्र में अवैध रूप से मिट्टी का खनन कार्य करती हुई दिखाई दी। स्टाफ द्वारा जेसीबी को रोकने के लिए आगे बढ़ा तो स्टाफ को वर्दी में अपनी ओर आता देख JCB ऑपरेटर जेसीबी को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। स्टाफ द्वारा जेसीबी को जप्त कर मौका कार्रवाई कर बुलडोजर मशीन

जेसीबी को वननाका भनावता परिसर में लाकर रखा गया। वहीं उच्च अधिकारी को निर्देशन कर राजस्थान वन अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई। इस दौरान टीम में रामलाल भील क्षेत्रीय वन अधिकारी,महेंद्र सिंह चौहान सहायक वनपाल,तेजपाल मीना वनरक्षक,गौतम गायरी वनरक्षक, शंकर मीणा समिति सदस्य सहित उपस्थित रहे।

उबड़ खाबड़ सड़कों से ग्रामीणों को मिलेगी राहत - आमला सारणी विधायक डॉक्टर योगेश पंडाग्रे के प्रयासों से मिली स्वीकृति

आमला। घोड़ाडोंगरी ब्लॉक के आधा दर्जन से अधिक ग्रामो पक्की सड़क नहीं होने के कारण उबड़ खाबड़ एवं कच्चे मार्गो से होकर पहुंचने में समय एवं आर्थिक नुकसान से जूझना पड़ रहा था जिसको देखते हुए आमला सारणी विधायक डॉक्टर योगेश पंडाग्रे ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए शीघ्र ही पक्के मार्गो की स्वीकृति दिलाई जाने की मांग उच्च जनप्रतिनिधियों से की थी 2024/ 25 स्वीकृति मिलने के पश्चात 2025 26 में टेंडर भी हो चुके हैं ग्रामीण गोपाल कन्हैया राधे सरोज धामू शाहित एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने बताया कि आजादी मिलने के पश्चात पक्की सड़कों को देखने तरस गए थे और उबड़ खाबड़ एवं कच्ची सड़कों से होकर गुजरने को विवश होना पड़ रहा था परंतु अमला सारणी विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे के माध्यम से 2024 25 में सड़कों की स्वीकृति तो मिल गई थी पर टेंडर होना बाकी थे अब टेंडर होने के पश्चात शीघ्र ही पक्की सड़कों का निर्माण कार्य पूर्ण किया जाएगा एवं उबड़ खाबड़ वह कच्ची मार्गो से ग्रामीणों को निजात मिल सकेगी भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंडल अध्यक्ष मोहन मोरे ने बताया कि आमला सारणी विधायक ने जो कहा वो किया पूर्व मंडल अध्यक्ष मोहन मोरे ने बताया कि ग्राम केरिया से अम्बा माई भोपाली , ग्राम छूरी से माथनी तक, ग्राम जाजबोड़ी से डूलारा तक पक्की सड़क निर्माण हेतु टेंण्डर जारी हो चुका है। उपरोक्त सभी सड़को की मंजूरी विधायक डॉ योगेश पण्डागरे जी के अथक प्रयासों से विधानसभा के पिछले सत्र में मिली थी। इन सड़कों की मांग ग्रामवासियों द्वारा लंबे समय से की जा रही थी। अब पवित्र तीर्थ स्थल भोपाली तक पहुंचना श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के लिए सुगम होगा। इसी प्रकार मयावानी गांव भी अब वाया छुरी सीधे बगडोना से जुड़ जाएगा। बोरी मार्ग से बगडोना आने वाले यात्रियों को अब सारनी नही जाना पड़ेगा। अब बाकुड़ से ही डूलारा जाजबोड़ी , सलैया होते हुए बगडोना पहुँच जाएंगे। उपरोक्त तीनों महत्वपूर्ण सड़कों की स्वीकृति दिलाकर निविदा जारी करवाने के लिये निर्देशित किया है

क्या पूजा हेगड़े और अल्लू अर्जुन बड़े पर्दे पर फिर आएंगे साथ ? अभिनेत्री ने दिया जवाब

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा 2 की सफलता के बाद दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। उनकी आने वाली फिल्मों की चर्चा ने फैंस में काफी यादा उत्साह है। इस बीच उनके साथ फिल्म में काम कर चुकीं पूजा हेगड़े ने अभिनेता के साथ भविष्य में काम करने को लेकर बड़ी बात कह दी है।

क्या फिर साथ नजर आएंगे पूजा-अल्लू अर्जुन? हाल ही में अपनी आगामी फिल्म रेट्रो के ऑडियो लॉन्च इवेंट में पूजा हेगड़े से अल्लू अर्जुन के साथ दोबारा काम करने के बारे में सवाल किया गया। इस पर पूजा ने साफ और सरल जवाब दिया। उन्होंने कहा, अगर कोई अछी कहानी, मजबूत किरदार और सही मौका मिले तो हम जरूर साथ काम करेंगे। पूजा के इस बयान ने फैंस की उम्मीदें जगा दी हैं।

इन फिल्मों में दिखेंगी पूजा

पूजा हेगड़े साउथ सिनेमा में एक के बाद एक शानदार प्रोजेक्ट्स के साथ छाई हुई हैं। उनकी अगली फिल्म रेट्रो है, जिसमें वह सूर्या के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 1 मई 2025 को रिलीज होने वाली है। इसके अलावा वह दलपति विजय की आखिरी फिल्म जन नायगन में भी काम कर रही हैं। यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि इसके बाद विजय पूरी तरह से राजनीति में कदम रखेंगे। पूजा की ये फिल्में उनके करियर के लिए अहम साबित हो सकती हैं।

अल्लू अर्जुन के पास भी है ये बड़ा प्रोजेक्ट दूसरी ओर, अल्लू अर्जुन भी एक के बाद एक बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ सुर्खियां बटोर रहे हैं। उनकी अगली फिल्म का अस्थायी नाम एए22&°6 है। इसका निर्देशन एटली कर रहे हैं। 8 अप्रैल को इस प्रोजेक्ट की पहली झलक सामने आई, जिसने दर्शकों को उत्साहित कर दिया।

त्रिविक्रम के साथ भी करेंगे काम खबरों की मानें तो यह एक सुपरहीरो जॉनर की फिल्म होगी, जिसमें अल्लू अर्जुन एक अनोखे किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में हॉलीवुड स्तर के वीएफएक्स का इस्तेमाल होगा, जिसके लिए टीम लॉस एंजिल्स में विशेषज्ञों से मुलाकात कर चुकी है। इसके अलावा, अल्लू अर्जुन डायरेक्टर त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ एक पौराणिक फिल्म पर भी काम कर रहे हैं।

इस फिल्म में स्मिता पाटिल को पहले सहायक भूमिका के लिए चुना गया, शबाना आजमी ने किया खुलासा

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी ने अर्थ फिल्म में एक्ट्रेस स्मिता पाटिल के किरदार को लेकर चर्चा की। इसमें उन्होंने बताया कि स्मिता पाटिल फिल्म के कास्टिंग के दौरान अपने पहले दिए गए किरदार से सहमत नहीं थी, उन्होंने किसी और महिला का किरदार निभाने की मांग की थी।

फिल्म की कास्टिंग को लेकर शबाना ने क्या कहा? अभिनेत्री शबाना आजमी ने साल 1982 में आई फिल्म अर्थ की कास्टिंग को लेकर बात की। उन्होंने फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में बताया कि 'अर्थ' फिल्म में अभिनेत्री स्मिता पाटिल को एक बाई की भूमिका निभानी थी, जिसे बाद में रोहिणी हट्टंगड़ी ने निभाया था। शबाना ने बताया कि स्मिता ने किसी और महिला के किरदार निभाने की मांग थी।

स्मिता पाटिल ने क्यों की नए रोल की मांग? आगे बातचीत में शबाना आजमी ने कहा, 'यह बहुत दिलचस्प है। विजय तेंदुलकर ने कहा कि यही बात 'अर्थ' में गलत है, क्योंकि यह वास्तव में पूजा की कहानी है। यह पत्नी की कहानी है और कहानी को आगे बढ़ाने के लिए दूसरी महिला को भी पर्याप्त रूप से दिखाया जाना चाहिए था। चूंकि, स्मिता नए रोल की मांग की थी, इसलिए उन्हें बहुत अधिक फुटेज दी जानी थी। फिल्म के साथ ऐसा ही हुआ।'

एक नजर फिल्म की ओर साल 1948 में महेश भट्ट के निर्देशन में अर्थ फिल्म आई थी। इस फिल्म में शबाना आजमी ने पूजा का किरदार निभाया था, जो इंदर की पत्नी की रूप में थीं। वहीं बाद में पूजा को पता चलता है कि उनका पति इंदर का किसी और के साथ चक्कर चल रहा है। उस दूसरी महिला के किरदार का नाम था कविता, जिसे स्मिता पाटिल ने निभाया था। इस फिल्म ने काफी चर्चा बटोरी थी। फिल्म में शबाना आजमी को उनके अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्टीय पुरस्कार मिला था।

दूसरे बचे के सवाल पर अभिषेक बचन ने दिया हैरान करने वाला जवाब, कहा- उम्र देखो पहले...

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो के मुताबिक अभिषेक बचन, रितेश देशमुख के शो केस तो बनता है में पहुंचे। यहां उन्हें दूसरे बचे को लेकर चिढ़ाया गया। अभिषेक बचन से जब पूछा गया कि वह ऐश्वर्या के साथ दूसरा बचा कब प्लान कर रहे हैं, तो वह मुस्कुराते-शरमाते हुए नजर आए और हैरान करने वाला जवाब दिया।

अभिषेक के यहां ए से शुरू होते हैं सबके नाम बातचीत में रितेश ने अभिषेक से कहा अमिताभ जी, ऐश्वर्या, आराध्या और आप अभिषेक। ये सारे नाम ए लेटर से शुरू होते हैं। तो जया आंटी और श्वेता कैसे छूट गए। बी हैप्पी के ऐक्टर ने इस पर कहा ये उनसे पूछना पड़ेगा। लेकिन हमारे परिवार में शायद एक प्रथा सी बन गई है। जैसे अभिषेक, आराध्या...

दूसरे बचे की प्लानिंग पर क्या बोले अभिषेक? इसके बाद रितेश ने अभिषेक से दूसरे बचे के प्लान के बारे में पूछा। रितेश ने अभिषेक से कहा आराध्या के बाद? इस पर अभिषेक ने मासूमियत वाला रिएक्शन दिया। नहीं अभी अगली पीढ़ी जो आएगी तब देखेंगे ना। इस पर रितेश ने कहा उतना कौन रुकता है? जैसे रितेश, रियाना और राहिल (रितेश के दो बचे)। अभिषेक, आराध्या... इसके बाद अभिषेक मुस्कुराते हैं और कहते हैं उमर का लिहाज करो रितेश। मैं तुमसे बड़ा हूं।

ऐश्वर्या-अभिषेक के अलग होने की थीं अफवाहें आपको बता दें कि अभिषेक बचन ने ऐश्वर्या राय से 2007 में शादी की थी। पिछले साल अफवाहें थीं कि दोनों एक दूसरे से अलग हो रहे हैं। हालांकि दोनों ने इस बारे में कुछ नहीं कहा। अमिताभ बचन ने एक पोस्ट साझा किया था, जिसमें उनके परिवार के निजी मामलों को लेकर चल रही अटकलों पर चर्चा की गई थी। उन्होंने लोगों से अपील की थी कि हमारी निजता का सम्मान करें और किसी भी गलत जानकारी पर भरोसा न करें।

'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' में नजर आएंगे रोनित, पहले भी इन सीरियल में निभाए मशहूर किरदार

रोनित रॉय जल्द ही सीरियल 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' में राजा सोमेश्वर चौहान की भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। कुछ दिन पहले ही अपने इंस्टाग्राम पेज पर अभिनेता से इस सीरियल से जुड़ा एक प्रोमो साझा किया। रोनित रॉय पहले भी कई मशहूर टीवी सीरियल का हिस्सा रहे हैं, जानिए उन्हीं कुछ चर्चित टीवी सीरियल के बारे में। **कसौटी जिंदगी की** साल 2001 में सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' में श्वेता तिवारी ने प्रेरणा नाम की लड़की का रोल किया था, रोनित रॉय भी इस सीरियल में नजर आए। रोनित ने मिस्टर बजाज का किरदार निभाया। मिस्टर बजाज, प्रेरणा से बेइंतहा मोहब्बत करता था। दर्शकों को भी रोनित का यह किरदार काफी पसंद आया। **क्योंकि सास भी कभी बहू थी** टीवी का सबसे चर्चित टीवी सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी(2000)' में भी रोनित रॉय ने मिहिर का किरदार निभाया। पहले इस किरदार को अमर उपाध्याय ने निभाया था। सीरियल में तुलसी (स्मृति ईरानी) नाम की महिला और उसके गुजराती ससुराल की कहानी थी। रोनित ने तुलसी के पति मिहिर का रोल इस टीवी सीरियल में किया। **अदालत** साल 2010 में रोनित रॉय ने एक कोर्टरूम ड्रामा सीरियल 'अदालत' किया। इसमें उन्होंने वकील के.डी पाठक का किरदार किया। सीरियल में रोनित के किरदार को दर्शकों ने काफी सराहा, यह सीरियल सास-बहू ड्रामा से बिल्कुल अलग था।

'बुल्ला' से लेकर 'बिल्ला जिलानी' तक ये हैं मुकेश ऋषि के 10 यादगार किरदार, बिजनेसमैन से बने एक्टर

फिल्मी दुनिया के खूंखार विलेन्स का जब भी जिक्र आएगा, तो उसमें मुकेश ऋषि का नाम आपको टॉप पर ही दिखेगा। 90 से 2000 के दशक तक उन्होंने कई सारी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया। इस दौरान उन्होंने कई सारे पॉजिटिव किरदार भी निभाए। आज मुकेश ऋषि का 69वां जन्मदिन है। इस मौके पर हम जानेंगे उनके दस यादगार किरदारों के बारे मेंज

फिल्मों में कैसे आए मुकेश ऋषि? उनके यादगार किरदारों के बारे में जाने से पहले जान लेते हैं कि मुकेश ऋषि फिल्मों में कैसे आए? मुकेश ऋषि का जन्म 17 अप्रैल 1956 को जम्मू में हुआ। उनके पिता एक बिजनेसमैन थे। मुकेश के पिता चाहते थे कि वह बिजनेस में उनका हाथ बटाएं, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। उनका मन पढ़ाई में नहीं लगता था। हां, उन्हें क्रिकेट खेलना काफी पसंद था। वह पंजाब यूनिवर्सिटी में कैप्टन हुआ करते थे। कुछ दिनों के बाद उनके पिता मुंबई शिफ्ट हो गए। उन्होंने वहां पर अपना बिजनेस खड़ा कर लिया। कॉलेज के बाद मुकेश ऋषि भी उनके साथ बिजनेस में हाथ बटाने लगे, लेकिन उनका मन नहीं लगता था। इसके बाद वह फिजी चले गए। वहां पर उन्होंने एक डिपार्टमेंटल स्टोर में काम किया। इस दौरान वह मॉडलिंग भी करते रहे। उनके दोस्तों ने उन्हें फिल्में करने की सलाह दी। पिता के निधन के बाद वह मुंबई लौट आए। उन्होंने भाई को बिजनेस संभालने के लिए कहा और खुद एक्टिंग की दुनिया का रुख कर लिया। उन्होंने एक्टिंग स्कूल में एडमिशन लिया और एक्टिंग के गुण सीखे। उन्होंने यश चोपड़ा की साल 1993 में रिलीज हुई फिल्म 'परंपरा' से डेब्यू किया। शुरू से ही उन्हें विलेन बनना था, इसलिए उन्हें फिल्मों में आने के लिए इंतजार करना पड़ा।

टाइगर (जुड़वा, 1997) सलमान खान की फिल्म जुड़वा (1997) में मुकेश ऋषि ने विलेन का किरदार निभाया है। इस फिल्म में वह रतनलाल 'टाइगर' की भूमिका में हैं। मुकेश ऋषि ने फिल्म में एक अलग अंदाज अपनाया था जिसमें वो किसी को मारने से पहले बांसुरी बजाते थे।

चीना (घातक, 1996) सनी देओल की फिल्म 'घातक' में मुकेश ऋषि ने डैनी डेंजोंगपा (कातिया) के भाई 'चीना' का किरदार निभाया है। इस फिल्म से उन्होंने काफी प्रभाव छोड़ा था। यह किरदार मुकेश ऋषि के करियर के शुरुआती दौर के सबसे बेहतरीन किरदारों में से एक माना जाता है।

बुल्ला (गुंडा, 1998) साल 1998 में रिलीज हुई फिल्म 'गुंडा' में मुकेश ऋषि ने 'बुल्ला' का किरदार निभाया है। विलेन होने के बावजूद इस फिल्म में जिस तरह से वह डायलॉग का उपयोग करते हैं। वह थोड़ा हंसने पर भी मजबूर कर देता है। हर मर्डर करने के पहले मुकेश ऋषि का यह किरदार यह डायलॉग बोलता है- मेरा नाम है बुल्ला रखता हूं खुल्ला। इस डायलॉग के सोशल मीडिया पर मीम भी बहुत बनते हैं।

इंस्पेक्टर सलीम (सरफरोश, 1999) साल 1999 में रिलीज हुई आमिर खान की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'सरफरोश' में मुकेश ऋषि ने अपने विलेन वाले किरदार से हटकर हीरो के सहयोगी की भूमिका निभाई। इस फिल्म में वह पुलिस इंस्पेक्टर सलीम के किरदार में नजर आए। उनके इस रोल ने लोगों को काफी प्रभावित किया।

केवड़ा ठाकुर (सूर्यवंशम, 1999) अमिताभ बच्चन की फिल्म 'सूर्यवंशम' में मुकेश ऋषि ने अहम भूमिका निभाई है। इस फिल्म में वह 'केवड़ा ठाकुर' का किरदार निभाया है। उनका यह किरदार सबसे ज्यादा यादगार किरदारों में से एक है।

इंस्पेक्टर खुर्शीद खान (कोई मिल गया, 2003) ऋतिक रोशन की फिल्म 'कोई मिल गया' में मुकेश ऋषि ने 'इंस्पेक्टर खुर्शीद खान' का किरदार निभाया है। वह एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं। उन्होंने इस किरदार से एक अलग छाप छोड़ी है।

वसीम खान (इंडियन, 1993) सनी देओल की फिल्म 'इंडियन' में मुकेश ऋषि खूंखार आतंकवादी वसीम खान के किरदार में नजर आए हैं। उन्होंने इस फिल्म में अपनी दमदार अदाकारी का परिचय दिया था।

बादशाह (लोफर, 1997) अनिल कपूर की फिल्म 'लोफर' में मुकेश ऋषि खतरनाक खलनायक 'बादशाह' की भूमिका में नजर आए हैं। वह इस फिल्म में मर्डर करने से पहले ढोल बजाते हैं। उनकी अदाकारी को इस फिल्म में काफी पसंद किया गया था।

राज दत्त शर्मा (दम,1999) विवेक ओबेरॉय की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'दम' में मुकेश ऋषि एक ईमानदार पुलिस अधिकारी राज दत्त शर्मा की भूमिका में नजर आए हैं। उनकी सहायक भूमिका को इस फिल्म में काफी पसंद किया गया है।

बिल्ला जिलानी (गर्दिश, 1989) गर्दिश मुकेश ऋषि की पहली हिंदी फिल्म थी। इस फिल्म में वह बिल्ला जिलानी के किरदार में नजर आए। इस फिल्म से उन्होंने अपने दमदार अभिनय की छाप छोड़ी।

अब क्या कर रहे हैं मुकेश ऋषि? मुकेश ऋषि ने 2000 के दशक तक सक्रियता के साथ हिंदी फिल्मों में काम किया है। इसके बाद वह धीरे-धीरे बॉलीवुड की फिल्मों दिखना कम हो गए। उन्होंने साउथ इंडस्ट्री का रुख कर लिया। कई इंटरव्यूज में उन्होंने इस बात का जिक्र भी किया कि वह साजिश का शिकार हो गए, जिसकी वजह से उन्हें काम मिलना बंद हो गया। हालांकि, मौजूदा समय में वह साउथ इंडस्ट्री में एक्टिव हैं और कई बेहतरीन फिल्में में काम कर रहे हैं।

स्पोर्ट्स

आईपीएल 2025: मुश्किल पिच पर नेहाल वढेरा ने आसान किया लक्ष्य- हरप्रीत बरार

बेंगलुरु इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में शुक्रवार को पंजाब किंग्स ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को 5 विकेट से हराया। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश के चलते मुकाबला 14 ओवर का कर दिया गया था। पंजाब ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और अपने गेंदबाजों के दम पर आरसीबी को 95/9 के स्कोर पर रोक दिया।

पंजाब के गेंदबाजों ने किया कमाल पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह, मार्को यानसन, युजवेंद्र चहल और हरप्रीत बरार ने 2-2 विकेट लिए। वहीं, ज़ेवियर बार्टलेट को भी एक सफलता मिली। आरसीबी की ओर से टिम डेविड ने अर्धशतक लगाया, लेकिन बाकी बल्लेबाज बुरी तरह फ्लॉप रहे।

नेहाल वढेरा की शानदार पारी लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की टीम की शुरुआत धीमी रही, लेकिन नेहाल वढेरा ने नाबाद 33 रन (19 गेंद) की तेजतर्रार पारी खेलकर टीम को 12.1 ओवर में 5 विकेट शेष रहते जीत दिला दी।

हरप्रीत बरार ने की वढेरा की तारीफ मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पंजाब किंग्स के स्पिनर हरप्रीत बरार ने कहा, पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। नेहाल वढेरा ने बेहतरीन बल्लेबाजी कर हमारा काम आसान कर दिया। वो पिछले 2-3 साल से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। घरेलू टूर्नामेंट्स में भी उनका अछा रिकॉर्ड रहा है। आज जिस अंदाज में उन्होंने बल्लेबाजी की, वो काबिले तारीफ है।

श्रेयश अय्यर बोले- चहल आईपीएल के बेस्ट गेंदबाज वहीं, पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयश अय्यर ने युजवेंद्र चहल की तारीफ करते हुए उन्हें आईपीएल का बेस्ट बॉलर बताया। अय्यर ने कहा, मैच से पहले हम नहीं जानते थे कि पिच कैसा व्यवहार करेगी। लेकिन हमारे कोचों और गेंदबाजों ने हालात के मुताबिक खुद को ढाल लिया। चहल ने शानदार गेंदबाजी की और अहम विकेट दिलाए।

अगला मुकाबला फिर आरसीबी से पंजाब किंग्स का अगला मुकाबला अब 20 अप्रैल को न्यू पीसीए स्टेडियम, न्यू चंडीगढ़ में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ ही होगा।

एफ 1: क्रिस्टियन हॉर्नर का बड़ा बयान, 2026 में भी रेड बुल का हिस्सा रहेंगे मैक्स वर्स्टापेन

जेद्दाह, फॉर्मूला वन की दुनिया में मैक्स वर्स्टापेन के भविष्य को लेकर चल रही तमाम अटकलों के बीच रेड बुल टीम प्रिंसिपल क्रिस्टियन हॉर्नर ने बड़ा बयान दिया है। हॉर्नर ने शुक्रवार को साफ किया कि वर्स्टापेन अगले सीजन भी रेड बुल के साथ ही नजर आएंगे और टीम में किसी तरह का कोई संकट नहीं है।

अफवाहों पर लगाया ब्रेक पिछले कुछ दिनों से खबरें थीं कि रेड बुल के मोटरस्पोर्ट सलाहकार हेल्मुट मार्को की चिंता के बाद वर्स्टापेन अपने एग्जिट क्लॉज का इस्तेमाल कर सकते हैं। माना जा रहा था कि मर्सिडीज और एस्टन मार्टिन उन्हें साइन करने के इछुक हैं। हालांकि, हॉर्नर ने सऊदी अरब ग्रां प्री के दौरान स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, टीम के बाहर बहुत शोर है। मैक्स ने कल अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। हम कार को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं और मैक्स उसका अहम हिस्सा हैं। बाकी सब अफवाहें हैं।

एस्टन मार्टिन का 88 मिलियन डॉलर का ऑफर इटली के अखबार गजेट्टा डेल्लो स्पोर्ट ने बिना किसी आधिकारिक स्रोत के खबर दी थी कि एस्टन मार्टिन, सऊदी फंडिंग के साथ वर्स्टापेन को तीन साल के लिए हर साल 88 मिलियन डॉलर देने को तैयार है। हालांकि, एस्टन मार्टिन टीम बॉस एंडी कोवेल ने फिलहाल 2026 के लिए फर्नांडो अलोंसो और लांस स्ट्रोल पर फोकस करने की बात कही है।

मर्सिडीज में नहीं बनती जगह — जेम्स वाउल्स मर्सिडीज और वर्स्टापेन की संभावित डील को लेकर भी चर्चाएं थीं, लेकिन मर्सिडीज के पूर्व रणनीति प्रमुख और अब विलियम्स टीम बॉस जेम्स वाउल्स ने इस संभावना को खारिज किया। उन्होंने कहा, वर्स्टापेन शानदार ड्राइवर हैं, लेकिन वह कुछ मुश्किलें भी साथ लाते हैं। मर्सिडीज के पास बेहतरीन टीम कल्चर है और दो शानदार ड्राइवर हैं। मुझे नहीं लगता वहां उनके लिए जगह है।

क्राइसिस मीटिंग की खबर भी अफवाह रेड बुल टीम की बहरीन में हुई एक बैठक को क्राइसिस समिट बताने की खबरों पर भी हॉर्नर ने सफाई दी। उन्होंने कहा, अगर आप अपनी इंजीनियरिंग टीम के साथ रेस की समीक्षा करते हैं, तो उसे संकट बैठक नहीं कहा जा सकता। हम जानते हैं कि कार में क्या दिक्कतें हैं और उन्हें दूर करने के लिए आगामी रेस में कई अपग्रेड लाने की योजना है।

ऑबामेयांग के लेट गोल की बदौलत अल क़दीसिया ने अल नस्र को 2-1 से हराया

नई दिल्ली। प्रिंस मोहम्मद बिन फहद स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए सऊदी प्रो लीग मुकाबले में पियरे-एमरिक ऑबामेयांग के देर से किए गए विजयी गोल की बदौलत अल क़दीसिया ने अल नस्र को 2-1 से हराया। इस हार के साथ ही अल नस्र की खिताबी दौड़ को बड़ा झटका लगा है।

पहले हाफ में अल क़दीसिया ने बनाई बढ़त मैच की शुरुआत से ही अल क़दीसिया ने आक्रामक खेल दिखाया और 35वें मिनट में तुर्की अल-अम्मार के आसान टैप-इन गोल की मदद से 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। इस गोल की नींव रखी ऑबामेयांग ने, जो लगातार विपक्षी डिफेंस के पीछे दौड़ लगाकर दबाव बना रहे थे। उनकी तेज़ शॉट को गोलकीपर बेंटो ने रोका, लेकिन रिबाउंड पर अल-अम्मार ने कोई गलती नहीं की।

अल नस्र का आक्रमण, डुरान ने गंवाया सुनहरा मौका दूसरे हाफ में अल नस्र ने बराबरी की पूरी कोशिश की। 57वें मिनट में क्रिस्टियानो रोनाल्डो गेंद को काबू नहीं कर पाए, जिसके बाद जॉन डुरान को शानदार मौका मिला, लेकिन उनका शॉट गोल के ऊपर चला गया। यह मौका अल नस्र के लिए मैच बदलने वाला हो सकता था।

सादियो माने ने दिलाई बराबरी 84वें मिनट में ब्राज़ीली मिडफील्डर ओतावियो के बेहतरीन क्रॉस पर सादियो माने ने शानदार टच के बाद गेंद को गोलकीपर के पास से गोल में डालकर स्कोर 1-1 कर दिया। इस गोल के बाद अल नस्र के खेमें में खुशी लौट आई थी।

ऑबामेयांग ने फिर रचा इतिहास लेकिन माने के गोल के महज तीन मिनट बाद ऑबामेयांग ने नाहितान नांदेज़ के क्रॉस पर हेडर लगाकर अल क़दीसिया को फिर से बढ़त दिला दी। यह गोल निर्णायक साबित हुआ और अल नस्र को हार झेलनी पड़ी।

अंक तालिका में हाल इस जीत के बावजूद अल क़दीसिया पांचवें स्थान (55 अंक, 28 मैच) पर बना हुआ है। वहीं, हार के बाद अल नस्र तीसरे स्थान (64 अंक) पर है और अब वह लीग लीडर अल इत्तिहाद से आठ अंक पीछे रह गया है। इससे उसकी खिताबी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

हूती विद्रोहियों पर अमेरिका ने बरपाया कहर

एयर स्ट्राइक में 74 की मौत, 171 से ज्यादा घायल

इंटरनेशनल डेस्क: यमन के हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले रास ईसा तेल बंदरगाह पर 17 अप्रैल 2025 को अमेरिकी हवाई हमले में कम से कम 74 लोग मारे गए और 171 अन्य घायल हो गए। यह हमला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा शुरू किए गए अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों की आपूर्ति लाइनों को बाधित करना और उन्हें वित्तीय संसाधनों से वंचित करना है।?

अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने कहा कि इस हमले का उद्देश्य रास ईसा बंदरगाह को नष्ट करना था, जो हूती विद्रोहियों के लिए ईंधन आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण स्रोत था। CENTCOM ने यह भी स्पष्ट किया कि इस कार्रवाई का मकसद यमन के नागरिकों को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि हूती विद्रोहियों की सैन्य क्षमताओं को कमजोर करना था।?

हूती विद्रोहियों की प्रतिक्रिया

हूती नियंत्रित मीडिया चैनल अल-मसीरा ने इस हमले को अवैध आक्रमण बताते हुए इसे युद्ध अपराध करार दिया। हूती अधिकारियों ने दावा किया कि

हमले में मारे गए लोग आम नागरिक थे, हालांकि इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।?

क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया इस हमले के बाद, हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में अमेरिकी और इजरायली जहाजों को निशाना बनाने की धमकी दी है। इसके अलावा, हूती विद्रोहियों ने इजराइल की ओर मिसाइल दागी, जिसे बीच में ही मार गिराया गया। इससे क्षेत्रीय तनाव और बढ़ सकता है।? इस बीच, अमेरिका ने आरोप लगाया है कि एक चीनी उपग्रह कंपनी हूती विद्रोहियों को सैन्य गतिविधियों की जानकारी प्रदान कर रही है। हालांकि, चीन ने इन आरोपों से इनकार किया है और क्षेत्रीय शांति की आवश्यकता पर जोर दिया है।?

इस हमले के बाद, यमन में युद्ध का अधिक अंतरराष्ट्रीयकरण हो गया है, और अमेरिका ने आरोप लगाया कि एक चीनी उपग्रह कंपनी हूती हमलों का सीधे समर्थन कर रही है, जिस पर बीजिंग ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। तेहरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम पर ईरान और अमेरिका के बीच दूसरे दौर की वार्ता शनिवार को रोम में होने वाली है।?

रास ईसा बंदरगाह लाल सागर के किनारे यमन के होदेदा प्रांत में स्थित है। यह बंदरगाह यमन के ऊर्जा-समृद्ध मारिब प्रांत तक फैली एक तेल पाइपलाइन का टर्मिनस भी है। हूती विद्रोहियों के लिए यह बंदरगाह गैसोलीन, डीजल और तरलीकृत पेट्रोलियम गैस प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।? अमेरिका और हूती विद्रोहियों के बीच यह संघर्ष क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है, और इसके परिणामस्वरूप यमन में मानवीय संकट और बढ़ सकता है।

अमेरिका और ईरान आज इटली में न्यूक्लियर डील पर करेंगे बात

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की चेतावनी के बीच ईरान न्यूक्लियर डील पर बातचीत को राजी हो गया है। इटली की राजधानी रोम में आज (शनिवार) को अमेरिका और ईरान के बीच बात होगी। इस बातचीत में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची और अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकाफ शामिल होंगे। दोनों देशों की बातचीत पर विश्व की निगाहें लग गई हैं।

ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर अमेरिका खासा नाराज है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बीते दिनों ईरान को न्यूक्लियर प्रोग्राम को छोड़ने को कहा था। साथ ही चेतावनी दी थी कि यदि न्यूक्लियर डील नहीं छोड़ी तो ईरान को इसका खामियाजा भुगतना होगा। व्हाइट की सचिव कैरोलिन लीविट ने रोम में होने वाली बैठक की पुष्टि करते हुए बताया कि अमेरिका नहीं चाहता कि ईरान परमाणु हथियार हासिल कर सके। अब ईरान के पास दो विकल्प हैं, या तो वह न्यूक्लियर डील छोड़े या फिर खामियाजा भुगतने को तैयार रहे। हालांकि संकेत दिए हैं कि अमेरिका अभी कुछ दिनों तक इसी तरह की

बातचीत का क्रम जारी रखना चाहता है।गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच यह बातचीत दूसरी बार हो रही है। इससे पहले 12 अप्रैल को दोनों देशों के बीच ओमान में वार्ता का एक क्रम चल चुका है। इस बैठक की मध्यस्थता ओमान के विदेश मंत्री बदर-अल-बुसैदी ने की थी। ईरान बना सकता है छह परमाणु बमभले अमेरिका के राष्ट्रपति ईरान को परमाणु शक्ति बनने से रोक रहे हों, लेकिन इस मामले में वह अब काफी आगे तक जा चुका है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु एजेंसी के सूत्रों का दावा है कि ईरान ने करीब 60 फीसदी शुद्धता का 275 किलो यूरेनियम बना लिया है। इससे कम से कम छह परमाणु बन बनाए जा सकते हैं।

साल 2025 की पहली तिमाही में लाखों पाकिस्तानियों ने छोड़ा देश

इस वर्ष की पहली तिमाही में 172,000 पाकिस्तानी काम के लिए पाकिस्तान छोड़कर विदेश गए हैं, जिनमें से लगभग 100,000 सामान्य श्रमिक हैं। आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। आव्रजन एवं विदेशी रोजगार ब्यूरो (बीआईएंडओई) ने अपनी वेबसाइट पर 2025 के पहले तीन महीनों में देश से बाहर जाने वाले पाकिस्तानियों का विवरण अपडेट किया है। सबसे ज्यादा 121,190 पाकिस्तानी कामगार सऊदी अरब जबकि 8,331 ओमान और 6,891 संयुक्त अरब अमीरात गए हैं। कतर में 12,989 पाकिस्तानियों को काम मिला जबकि 939 पाकिस्तानी बहरीन गए हैं। इसके अलावा 1,454 पाकिस्तानी ब्रिटेन, 870 तुर्किये, 815 यूनान, 775 मलेशिया, 592 चीन, 350 अजरबैजान, 264 जर्मनी, 257 अमेरिका, 109 इटली और 108 जापान गए हैं।

पेशेवर श्रेणी के अनुसार विदेश जाने वाले सबसे अधिक 99,139 लोग सामान्य श्रमिक हैं। कुशल श्रमिकों में 38,274 वाहन चालक, 1,859 राजमिस्त्री, 2,130 इलेक्ट्रीशियन, 1,689 रसोइये, 3,474 तकनीशियन और 1,058 वेल्डर शामिल हैं। पेशेवरों व्यक्ति भी विदेश गए जिनमें 849 चिकित्सक और 1,479 इंजीनियर शामिल हैं। इसके अलावा, 390 नर्स और 436 शिक्षक भी विदेश गए हैं। देश से बड़ी संख्या में लोगों के विदेश जाने का विवरण ऐसे समय में सामने आया है जब सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने पहले प्रवासी पाकिस्तानी सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रतिभाशाली व्यक्तियों पलायन की धारणा को खारिज कर दिया।

उन्होंने वैश्विक पाकिस्तानी प्रवासियों की सराहना करते हुए उन्हें देश का दूत और चमकता सितारा बताया था। उन्होंने मंगलवार को कहा था, आप सिर्फ विदेश में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व नहीं कर रहे हैं - आप इस महान राष्ट्र की प्रतिभा,

मुंह से सेनेटरी पैड फाड़ते नजर आए पाकिस्तानी, वीडियो देख चकराया लोगों का सिर

इंटरनेशनल डेस्क. सोशल मीडिया पर इन दिनों इजरायल के खिलाफ गुस्सा दिखाना आम हो गया है। दुनिया के कई देशों के लोग इजरायली उत्पादों का बहिष्कार कर रहे हैं। इसी कड़ी में अब पाकिस्तान से एक हैरान कर देने वाला वीडियो सामने आया है, जिसे देखकर लोग चकित भी हैं और चिंतित भी।

वायरल वीडियो में कुछ पाकिस्तानी युवक और आम लोग कैमरे के सामने सेनेटरी पैड को अपने मुंह से फाड़ते हुए नजर आ रहे हैं। उनका दावा है कि ये पैड इजरायली कंपनियों के बनाए हुए हैं और उनका इस्तेमाल करना इजरायल को समर्थन देने जैसा है। इस वीडियो को शेयर करते हुए लोग इसे देशभक्ति का हिस्सा बता रहे हैं।

इस वीडियो में जो लोग नजर आ रहे हैं, उन्होंने बिना किसी पक्के सबूत के यह मान लिया कि जिन पैड्स का वे विरोध कर रहे हैं, वे वास्तव में इजरायली कंपनियों के हैं और इसी गलतफहमी में उन्होंने कैमरे के सामने मुंह से पैड फाड़ना शुरू कर दिया। यह सब कुछ एक वायरल ट्रेंड और अफवाह के आधार पर किया गया, न कि किसी तथ्य की पुष्टि के बाद।

हंसी या अफसोस?

इस पूरी घटना को देखकर लोगों की मिश्रित प्रतिक्रिया आ रही है। कुछ लोग इसे देखकर हँस रहे हैं कि कैसे बिना सोचे-समझे लोग ऐसे कदम उठा रहे हैं। वहीं कई लोग अफसोस जता रहे हैं कि इस हरकत से महिलाओं की स्वच्छता से जुड़ी जागरूकता पर बुरा असर पड़ा है। सेनेटरी पैड कोई ऐशोआराम की चीज़ नहीं है, बल्कि एक ज़रूरी हाइजीन प्रोडक्ट है। महिलाओं के स्वास्थ्य और गरिमा से जुड़ा यह उत्पाद अफवाहों की भेंट चढ़ गया।

सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाएं

यह वीडियो @ocjain4 नाम के एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट से शेयर किया गया है, जिसे अब तक लाखों लोग देख चुके हैं। हजारों लोगों ने इसे लाइक और रीपोस्ट किया है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पर तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं। एक यूजर ने लिखा- इन लोगों को आखिर क्या तकलीफ है? दूसरे ने कहा- गज़ब जाहिल लोग हैं, मुंह से पैड फाड़ रहे हैं। वहीं एक यूजर ने तंज कसते हुए लिखा- कम से कम इस्तेमाल किए हुए तो नहीं हैं न?

व्यापार

अमेरिकी शुल्क का झटका: आंध्र प्रदेश के झींगा किसानों पर गहराया संकट

नई दिल्ली: अमेरिका में झींगा खाने की लोकप्रियता किसी जुनून से कम नहीं लेकिन हाल ही में ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए जवाबी शुल्क ने न केवल अमेरिकी उपभोक्ताओं बल्कि भारत के झींगा किसानों की भी चिंता बढ़ा दी है।

आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के पल्लीपलेम गांव में झींगा किसान के.बी. गंगाधर राव जैसे किसान, जो कभी अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीतियों से अनजान थे, अब %ट्रंप शुल्क% का असर खुद पर महसूस कर रहे हैं। राव ने कहा, ट्रंप मेरे झींगा कारोबार को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उनके मुताबिक, झींगा की कीमतों में 10-15त्न की गिरावट ने उनकी आय पर सीधा असर डाला है।

आंध्र प्रदेश में करीब 1.4 लाख किसान और लगभग 20 लाख लोग जलीय कृषि क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। राज्य में झींगा पालन 2.12 लाख हेक्टेयर में फैला है। अमेरिका को निर्यात की जाने वाली बड़ी आकार की श्रिम्प किस्मों (30-50

काउंट) की कीमतों में 40-50 रुपए प्रति किलो की गिरावट आई है। अन्य किस्मों की मांग चीन, जापान और यूरोप में है, लेकिन वहां भी दाम कम हुए हैं।

कोविड महामारी, बढ़ती लागत और अब अमेरिकी शुल्क ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। किसान हरि हर वर्मा कहते हैं, झींगा पालन अब अनुमान से परे है - कभी वायरस से नुकसान तो कभी बाजार गिरावट। उन्होंने सरकार पर बिजली सब्सिडी जैसी रियायतें छीनने का भी आरोप लगाया।

पश्चिमी गोदावरी जिले के गुटलापाडु गांव के विश्वनाथ राजू बताते हैं कि 1986 से शुरू हुआ यह व्यवसाय आज संकट में है। झींगा बाजार में कभी ब्लैक टाइगर और इंडिकस किस्में थीं लेकिन 2008 में वन्नामेई प्रजाति के आने से कारोबार में तेजी आई। आज भारत के कुल झींगा निर्यात में वन्नामेई की हिस्सेदारी 87त्न है और 54त्न निर्यात अमेरिका को होता है। सीफूड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सदस्य जगदीश थोटा के अनुसार, हाल की कीमत गिरावट को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। अमेरिकी खरीदार शुल्क का भार उठाने को तैयार हैं। उनका मानना है कि भारत की स्थिति अब भी इक्काडोर जैसे देशों से बेहतर है।

हालांकि राहत की उम्मीद के बीच, आंध्र प्रदेश के झींगा किसान आज भी वैश्विक नीतियों की अनिश्चितताओं के साए में संघर्ष कर रहे हैं।

सिग्नेचर ग्लोबल ने गुरुग्राम में 1,070 करोड़ रुपये में 48 एकड़ जमीन खरीदी

बिजनेस डेस्क: रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने गुरुग्राम में 1,070 करोड़ रुपए में 48 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। कंपनी ने गुरुग्राम (हरियाणा) के अलग-अलग सेक्टर में 1,069.31 करोड़ रुपए की कुल लागत से 47.71 एकड़ जमीन खरीदी है। रियल एस्टेट कंपनी ने बयान में कहा कि सेक्टर 71 में उसने 16.16 एकड़ जमीन 283.09 करोड़ रुपए में,

सेक्टर 37डी में 25.62 एकड़ जमीन 670.15 करोड़ रुपए में और सेक्टर 88ए में 5.94 एकड़ जमीन 116.07 करोड़ रुपए में खरीदी है।

सिग्नेचर ग्लोबल (इंडिया) लिमिटेड के संस्थापक एवं चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल ने कहा, ''.... हमारी दीर्घकालिक विकास रणनीति के तहत हम अपनी बढ़ती बिक्री की गति से मेल खाने के लिए गुरुग्राम और आसपास के क्षेत्रों में लगातार जमीन खरीद रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह संतुलित दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि भूमि अधिग्रहण और परियोजना विकास साथ-साथ चलें।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.57 अरब डॉलर बढ़कर 677.83 अरब डॉलर पर

मुंबई: देश का विदेशी मुद्रा भंडार 11 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 1.57 अरब डॉलर बढ़कर 677.83 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को बताया कि लगातार छठे सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि हुई है। चार अप्रैल को समाप्त पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 10.87 अरब डॉलर बढ़कर 676.27 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर 2024 में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 11 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 89.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर बढ़कर 574.98 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 63.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 79.99 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 60 लाख करोड़ डॉलर घटकर 18.36 अरब डॉलर रहा। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 4.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.50 अरब डॉलर हो गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569